हिन्दी दैनिक

जौनपुर, लखनऊ व भदोहीं से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 03 अंक–332 : जौनपुर, मंगलवार 19 अप्रैल 2022 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

जानिए क्या है डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन : जिसे भारत के लिए गेम चेंजर बताया जा रहा?

नई दिल्ली ब्यूरो : अब से कुछ देर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के जामनगर में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन (जीएसटीएम) की आधारशिला रखेंगे। यह सेंटर दुनिया में अपने तरह का इकलौता होगा। यही कारण है कि इसे दुनियाभर के बड़े विशेषज्ञ गेम चेंजर बता रहे हैं। क्या है डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडेशनल मेडिसिन? भारत में सदियों से पारंपरिक चिकित्सा प्रचलित है। छोटी–बड़ी हर बीमारी में लोग पारंपरिक औषधियों और घरेलू नुस्खों का खूब प्रयोग करते हैं। यहां तक की कोरोनाकाल के दौरान भी वैज्ञानिक तरीके से पारंपरिक जड़ी–बूटियों और नुस्खों का लोगों ने इस्तेमाल किया। इसका उन्हें फायदा भी हुआ। अब इसी पारंपरिक औषधियों और नुस्खों को दुनिया के सामने रखा जाएगा। जामनगर में स्थापित हो रहे इस केंद्र में पारंपरिक औषधियों को वैज्ञानिक तरीके से बेहतर बनाने का काम होगा। दुनिया के अन्य देशों को भी इसका फायदा दिलाया जाएगा। ऐसा नहीं है कि इसमें केवल आयुर्वेदिक औषधियों पर ही काम होगा। बल्कि एक्वाप्रेशर, औषधीय गुणों वाले खान–पान पर भी काम होगा। डब्ल्यूएचओ ने क्या कहा? विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) साउथ–ईस्ट एशिया की रीजनल डायरेक्टर पीके सिंह ने इस सेंटर को गेम चेंजर बताया। कहा, पारंपरिक दवाएं सदियों से चली आ रहीं हैं। डब्ल्यूएचओ के 194 सदस्य देशों में से 170 में लगभग 80 प्रतिशत लोग उनका उपयोग करते हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा, 'पारंपरिक औषधियों के व्यापक उपयोग के बावजूद, मजबूत सबूत, डेटा और मुख्यधारा के स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणाली में उनके एकीकरण को रोकने वाले मानक ढांचे की कमी है।' डॉ. सिंह ने आगे कहा, 'डब्ल्यूएचओ का ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन डेटा और

एनालिटिक्स, स्थिरता और इक्विटी, नवाचार और प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित करके और पारंपरिक चिकित्सा के प्राचीन ज्ञान और शक्ति का उपयोग करने और सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में एक गेम–चेंजर हो सकता है। स्वास्थ्य सुनिश्चित करने और सभी उम्र के लोगों के लिए भलाई को बढ़ावा देने के लिए भी यह बेहद खास है।' गेम चेंजर कैसे हो सकता है? आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. सोमेश पांडेय कहते हैं, 'भारत के परंपरागत औषधीय में काफी ताकत है। एलोपैथ ने मार्केट पर कब्जा जरूर जमाया, लेकिन आज भी ज्यादातर लोगों को परंपरागत औषधीय पर ज्यादा विश्वास है। यही कारण है कि यहां हर कोई घर में छोटी–मोटी तकलीफों का इलाज खुद कर लेता है। विदेशों में हर छोटी तकलीफ के लिए लोग एलोपैथिक दवाइयां लेते हैं। ज्यादा एलोपैथिक दवाइयों के सेवन का नुकसान भी ज्यादा होता है। इसके साइड इफेक्ट्स ज्यादा होते हैं, लेकिन आयुर्वेदिक औषधियों में ऐसा नहीं होता है।' डॉ. पांडेय के मुताबिक, अब तक भारतीय लोग ही परंपरागत औषधियों के बारे में जानते थे। इस केंद्र के बनने के बाद दुनिया के अन्य देशों में भी इसका प्रचार होगा। हर कोई इसका फायदा उठा सकेगा। खासतौर पर डब्ल्यूएचओ के साथ आने का भी फायदा मिलेगा। सेंटर के बारे में खास जानकारी डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन एक तरह का दुनिया का पहला सेंटर है। इसका लक्ष्य ट्रेडिशनल मेडिसिन की क्षमता को तकनीकी प्रगति और साक्ष्य–आधारित रिसर्च के साथ जोड़ना है। डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन पारंपरिक मेडिसिन उत्पादों पर नीतियां और मानक निर्धारित करना चाहता है। साथ ही देशों को एक व्यापक, सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य प्रणाली बनाने में मदद करता है।

पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित हिंदू परिवारों को मुख्यमंत्री योगी ने दी सौगात : खेती की जमीन सहित मिला घर

लखनऊ ब्यूरो : पूर्वी पाकिस्तान से आए हिंदू बंगाली परिवारों के लोगों को पुनर्वास योजना के तहत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सौगात दी है। इन परिवारों को योगी सरकार द्वारा दो एकड़ कृषि भूमि का पट्टा और 200 मीटर का आवासीय पट्टा के साथ मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत घर दिया जा रहा है। इन्हें शासन की अन्य सभी योजनाओं से भी आच्छादित किया जाएगा। लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने इन परिवारों को पुनर्वास प्रमाण पत्र सौंपा। 1970 में बांग्लादेश से आये विस्थापित 407 हिन्दू परिवारों में से 332 को देश के अलग अलग हिस्सों में रखा गया था। मदन सूत मिल्स हस्तिनापुर में इन्हें पुनर्वासित किया गया था लेकिन 1984 में मिल्स बंद होने के कारण ये लोग सब बेसहारा हो गए थे। किसी सरकार ने इनकी सुध नहीं ली। 2017 में यूपी में भाजपा की सरकार बनी तो प्रक्रिया शुरू की गई। मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ ने कहा कि वर्षों से किसी सरकार ने बांग्लादेश से विस्थापित इन हिंदू परिवारों का दर्द नहीं समझा। पुनर्वास के बाद इन परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा।

दीवानी न्यायालय परिसर जौनपुर एवं समस्त तहसील मुख्यालयों पर राष्ट्रीय लोक अदालत का 14 मई को होगा आयोजन

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मदन पाल सिंह के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर के तत्वावधान में 14 मई 2022 दिन शनिवार को प्रातः 10 बजे से दीवानी न्यायालय परिसर जौनपुर एवं समस्त तहसील मुख्यालयों पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में प्री–लिटिगेशन (वाद–पूर्व) स्तर पर पारिवारिक/दाम्पत्य विवाद, धारा 138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम वाद, धन वसूली वाद, श्रम एवं सेवायोजन विवाद, विद्युत, जल बिल एवं अन्य प्रकार के बिलों के भुगतानोंके विवाद (चोरी से सम्बन्धित विवादों सहित), भरण–पोषण वाद तथा अन्य प्रकार के आपराधिक शमनीय व सिविल वाद तथा विभिन्न न्यायालयों में लम्बित आपराधिक शमनीय वाद, धारा 138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम वाद, धन वसूली वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकायें, श्रम एवं सेवायोजन विवाद, विद्युत, जलकर बिल एवं अन्य प्रकार के बिलों के भुगतानों के विवाद (चोरी से सम्बन्धित विवादों सहित) पारिवारिक वाद (विवाह विच्छेद सम्बन्धित वादों को छोड़कर), भूमि अधिग्रहण वाद, सेवा में वेतन, भत्तों एवं सेवानिवृत्ति परिलाभां से सम्बन्धित विवाद, राजस्व वाद, अन्य सिविल वाद (किराया, सुखाधिकार, व्ययादेश, विशिष्ट अनुतोष वाद) आपसी सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित होने वाले समस्त प्रकार के वादों का निस्तारण किया जायेगा। अतः वादकारी एवं अधिवक्ता गण से अपील है कि अपने–अपने वादों से सम्बन्धित न्यायालयों में सम्पर्क स्थापित कर वादों को राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु सन्दर्भित करायें एवं अधिकतम वादों का निस्तारण कराकर लोक अदालत का लाभ उठायें।

फतेहगढ़ सेंट्रल जेल के जेलर सुजीत सिंह ने पीजीआई में एडमिट आकाश गुप्ता से मुलाकात कर मदद का दिया आश्वासन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। फतेहगढ़ सेंट्रल जेल के जेलर सुजीत सिंह ने पीजीआई लखनऊ में एडमिट आकाश गुप्ता से मुलाकात की जो जिंदगी और मौत के बीच लड़ाई लड़ रहा है। बोन मैरो ट्रांस प्लांटेशन होना है। जेलर सुजीत ने पूरा आश्वासन दिया है कि पूरी मदद की जाएगी।

साथ में डॉक्टर राजलक्ष्मी , सीमा त्रिपाठी, पंकज शुक्ला मौजूद रहे। देवदूत वानर सेना की तरफ से पूरा प्रयास किया जाएगा कि सभी लोगों द्वारा आकाश की मदद की जाए।उक्त जानकारी आजाद मंच की प्रदेश अध्यक्ष रागिनी अवस्थी ने दी।

आधार प्रमाणीकरण किये जाने की प्रक्रिया

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जिला प्रोबेशन अधिकारी अभय कुमार ने अवगत कराया है कि पति की मृत्यु उपरांत निराश्रित महिला पेंशन योजना हेतु सर्वप्रथम गुगल पर sspy&up.gov.in पर जाये, यादि लाभार्थी को अपना रजिस्ट्रेशन नंबर नही पता है जो निराश्रित महिला पेंशन सेलेक्ट करके पेंशन सूची में जाये। अपना जनपद सेलेक्ट करें विकासखण्ड सेलेक्ट करें, ग्राम पंचायत सेलेक्ट करें। मजरा सेलेक्ट करें। पूरी पेंशन सूची होगी जिससे अपना रजिस्ट्रेशन संख्या नोट कर लें, अब पुनः इन्ट्रीग्रटेड पेंशन पोर्टल पर जाये तथा लाल रंग की पट्टी आधार प्रमाणीकरण के लिए फ्लैक्स हो रही है, पेंशन का प्रकार सेलेक्ट करें। विडों पेंशन चयन करें। रजिस्ट्रेशन नं0 दर्ज करें। मोबाईल नं0 दर्ज करें। कैप्चा लिखे फिर सबमिट करे, आपके मोबाईल पर ओ0टी0पी आयेगा। ओ0टी0पी0 को दर्ज करें, तथा सबमिट करें, इस प्रकार से आपका मोबाईल नं0 आनलाईन रजिस्टर्ड हो गया। अब आपको दूसरे चरण में आधार प्रमाणीकरण करना होगा, आधार प्रमाणीकरण द्वितीय चरण में होता है अब होम पेज पर जायें पेषन लॉगिन पर रजिस्ट्रेशन नं0 यूजर आ0डी0 की तरह दर्ज होगा, तथा आपका मोबाईल न0 पासवर्ड होगा, रजिस्ट्रेशन नं0 दर्ज करें, पासवर्ड के स्थान पर मोबाईल नं0 दर्ज करें, कैप्चा लिखे एवं उसके बाद सबमिट करें, आपके मोबाईल पर दुबारा ओ0टी0पी0 आयेगां। ओ0टी0पी0 दर्ज करें। तत्पश्चात सबमिट करें, यादि आपका नाम पेंशनर सूची में आधार के सामान है तो आपका रजिस्ट्रेशन के साथ–साथ आधार प्रमाणीकरण हो जायेगा, यदि पेंशनर सूची में आधार से अलग होगा। यथा नाम मे उपनाम न लिखा होना या नाम के बीच स्पेस होना या अन्य त्रुटि के कारण आपका डाटा जिला प्रोबेशन अधिकारी पोर्टल पर फारवर्ड हो जायेगा, तत्पश्चात जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा उसे वेरीफाई करने पर 24 घण्टे के बाद पुनः आधार प्रमाणीकरण की प्रक्रिया अपनायें, पेंशन सूची में नाम व आधार के नाम में अन्तर होने पर किसी भी दशा में दोबारा प्रयास न करें अन्यथा आपका डाटा लॉक हो जायेगा।

बिना अनुमति न निकालें शोभायात्रा : माइक का प्रयोग करें पर आवाज परिसर से बाहर न जाए – मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ ब्यूरो : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फील्ड के अफसरों को साफ शब्दों में कहा है कि कानून व्यवस्था से कोई समझौता नहीं होगा। उन्माद फैलाने और अफवाह फैलाने वाले हर व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई हो वह चाहे जिस पक्ष का हो। बिना अनुमति के कोई शोभायात्रा या धार्मिक जुलूस न निकलने दिया जाए। अनुमति भी केवल उन्हें दी जाए जो परंपरागत हो। किसी नई परंपरा की शुरूआत न होने दी जाए। मुख्यमंत्री अपने दूसरे कार्यकाल में फील्ड के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पहली वीडियो कांफ्रेंसिंग कर रहे थे। दूसरे कार्यकाल की पहली वीडियो कांफ्रेंसिंग में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के तेवर सख्त थे। उन्होंने अलीगढ़, सहारनपुर और लखनऊ के गुडंबा की घटना पर नाराजगी जाहिर की और वरिष्ठ अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। लखनऊ में सरेशाम हुई फायरिंग की घटना में किसी पुलिस कर्मी पर कार्रवाई न करने पर नाराजगी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री गुडंबा के थाना प्रभारी को तत्काल निलंबित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हल्के के दरोगा और बीट के सिपाहियों पर भी कार्रवाई की जाए और इस कार्रवाई से मुख्यमंत्री कार्यालय को अवगत कराया जाए। वहीं अलीगढ़ और सहारनपुर में अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई न करने पर नाराजगी जाहिर की। नए स्थलों पर माइक लगाने की न दें अनुमति मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग में कहा कि अपनी धार्मिक विचारधारा के अनुसार सभी को अपनी उपासना पद्धति को मानने की स्वतंत्रता है। माइक का प्रयोग किया जा सकता है। लेकिन यह सुनिश्चित हो कि माइक की आवाज उस परिसर से बाहर न आए। अन्य लोगों को कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए। नए स्थलों पर माइक लगाने की अनुमति न दें। मार्ग बाधित कर या यातायात बाधित कर न हो कोई आयोजन मुख्यमंत्री ने कहा कि हर त्यौहार शांति और सौहार्द के साथ संपन्न हो। इसके लिए स्थानीय जरूरतों को देखते हुए सभी जरूरी प्रयास किए जाएं। शरारतपूर्ण बयान जारी करने वालों के साथ कड़ाई से पेश आएं। माहौल खराब करने की कोशिश करने वाले अराजक तत्वों के साथ पूरी कठोरता की जाए। ऐसे लोगों के लिए सभ्य समाज में कोई स्थान नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि धार्मिक कार्यक्रम, पूजा–पाठ निर्धारित स्थान पर ही हों। यह सुनिश्चित करें कि सड़क मार्ग, यातायात बाधित कर कोई धार्मिक आयोजन न हो। अपने–अपने कार्यक्षेत्र में ही रात्रि विश्राम करें अफसर मुख्यमंत्री ने कहा कि तहसीलदार, एसडीएम, सीओ व थानाध्यक्ष सभी अपनी तैनाती के क्षेत्र में ही रात्रि विश्राम करें। शासकीय आवास है तो वहां रहें नहीं तो किराए का आवास लें। लेकिन रात्रि में अपने ही क्षेत्र में रहें। इस व्यवस्था का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने को निर्देश मुख्यमंत्री ने दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हालिया दिनों में विभिन्न धर्मों के कई पवित्र पर्वों का आयोजन हुआ। यह सुखद है कि पूरे प्रदेश में शांति और सौहार्द का माहौल बना रहा। उत्तर प्रदेश में हर एक नागरिक की सुरक्षा हम सभी की पहली जिम्मेदारी है। हमें अपनी इस जिम्मेदारी के प्रति सदैव सतर्क व सावधान रहना होगा। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, ड्रोन का उपयोग कर स्थिति पर नजर रखने और प्रतिदिन शाम को पुलिस बल फुट पेट्रोलिंग जरूर करें। पीआरवी 112 भी सक्रिय रहे। 4 मई तक पुलिस कर्मियों की छुट्टियां निरस्त, जो छुट्टी पर हैं तत्काल तैनाती स्थल पर लौटें मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में कई महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व त्योहार हैं। रमजान का महीना चल रहा है। ईद का त्योहार और अक्षय तृतीया एक ही दिन होना संभावित है। ऐसे में वर्तमान परिवेश को देखते हुए पुलिस को अतिरिक्त संवेदनशील रहना होगा। थानाध्यक्ष से लेकर एडीजी तक अगले 24 घंटे के भीतर अपने अपने क्षेत्र के धर्मगुरुओं, समाज के अन्य प्रतिष्ठित जनों के साथ सतत संवाद बनाएं। मुख्यमंत्री ने 4 मई तक सभी पुलिस अधिकारियों व कर्मियों की छुट्टियां निरस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि थानाध्यक्ष, सीओ और पुलिस कप्तान से लेकर जिलाधिकारी, मंडलायुक्त तक सभी प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों का अवकाश तत्काल प्रभाव से निरस्त होगा। जो वर्तमान में अवकाश पर हैं व अगले 24 घंटे के भीतर तैनाती स्थल पर वापस लौटें। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा इसे सुनिश्चित कराया जाए।

चतुर्थ सड़क सुरक्षा सप्ताह के दूसरे दिन सहायक सम्भागीय परिवहन कार्यालय परिसर में एक कार्यशाला का किया गया आयोजन

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : चतुर्थ सड़क सुरक्षा सप्ताह के दूसरे दिन सहायक सम्भागीय परिवहन कार्यालय परिसर में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद के बस/ट्रक/आटो/ई–रिक्शा तथा टैक्सी चालकों एवं उनके के पदाधिकारियों के साथ सड़क सुरक्षा जागरूकता विषय पर चर्चा की गयी। उक्त कार्यशाला में सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन/प्रवर्तन) जौनपुर एस0पी0 सिंह द्वारा कार्यालय में उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा सम्बन्धी नियमों की जानकारी प्रदान की गयी एवं अपील किया गया कि बिना हेलमेट के वाहन न चलाये, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करे, नशे की हालत में वाहन का संचालन कदापि न करें एवं सड़क सुरक्षा को जीवन शैली का भाग बनाये। उक्त के पश्चात सम्भागीय निरीक्षक (प्राविधिक) अशोक कुमार श्रीवास्तव द्वारा जनसामान्य से सड़क सुरक्षा/यातायात नियम के पालन हेतु अनुरोध किया गया। कार्यशाला में लिफलेट, पम्पलेट एवं फोल्डर वितरित कराये गये।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dku live चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

वी सी केयर फंड के लिए आवेदन प्रारंभ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। हाल ही मे लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा शुरु किये गए वी सी केयर फंड के लिए छात्रों से आवेदन मांगे गये हैं । आवेदन करने वाले छात्रों को आवेदन पत्र के साथ, फीस रसीद, अंकपत्रों की स्वप्रमाणित प्रतिलिपि, किसी अन्य स्रोत से वित्तीय सहयोग प्राप्त न होने का स्वघोषित प्रमाणपत्र तथा कुलानुशासक कार्यालय द्वारा प्रमाणित चरित्र प्रमाणपत्र लगाना होगा । जरूरतमंद छात्रों को वी सी केयर फंड के तहत अधिकतम 50000 रूपये तक की मदद करी जा सकेगी । विगत दो वर्षों मे कुलपति आलोक कुमार राय ने छात्र हित मे अनेक महत्वपूर्ण पहल करी हैं और नई योजनाओं की शुरुआत करी है ।। प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बताया कि वी सी केयर फंड की स्थापना सूत्र वाक्य "सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास सबका विश्वास " से प्रेरित है जिसका प्रमुख उद्देश्य, जरूरतमंद छात्रों को वित्तीय सहयोग करना है जिससे किसी भी छात्र के भविष्य निर्माण मे वित्तीय संकट बाधा न बन सके । छात्र हित में शुरू की गई इस पहल से लखनऊ विश्विद्यालय सीमित संसाधनो के बावजूद अधिकतम छात्रों की मदद कर सकेगा । वी सी केयर फंड को समाज के सभी वर्गों के साथ ही देश–विदेश से लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों का सहयोग एवं प्रोत्साहन मिल रहा है । अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि वी सी केयर फंड के प्रथम चरण मे छात्रों को वित्तीय सहयोग देने के लिए आवेदन पत्र लखनऊ विश्वविद्यालय छात्रकल्याण की वेबसाइट https%//www-lkouniv.ac.in/article/en/vc&care पर उपलब्ध करा दिया गया है। आवेदन पत्र जमा करने की कोई अंतिम तिथि नहीं रखी गई है तथा प्राप्त आवेदन पत्रों को रोलिंग आधार पर नियमित तौर पर स्वीकार किया जाएगा । साथ ही साथ उन्होने समाज के सभी वर्गों से इस छात्र कल्याण केंद्रित कार्यक्रम मे बढ़कर भागीदार बनने और इस मुहिम को आगे बढ़ाने की अपील की।

विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन कल : जिला प्रोबेशन अधिकारी

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जिला प्रोबेशन अधिकारी अभय कुमार ने अवगत कराया है कि 20 अप्रैल 2022 को दया मैरेज हॉल गौराबादशाहपुर पुलिस चौकी के पीछे प्रातः 10 बजे से स्वालम्बन कैम्प का आयोजन किया जा रहा है जिसमे समस्त विभाग की संचालित योजनाओं का प्रचार प्रसार करके पात्रता में आने वाले सभी लोगो को योजनाओं से लाभान्वित भी कराया जाएगा। महिला से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन दया मैरिज लॉन पुलिस चौकी गौराबादशाहपुर में आयोजित किया गया है जिसमें महिलाओं से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार, साथ ही साथ योजनाओं के यथा पति के मृत्यु उपरांत निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, आयुष्मान कार्ड, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य, लाभान्वित एवं उनका आवेदन पत्र ऑनलाइन कराया जाना, उसके उपरांत द्वितीय सत्र में अपरान्ह 2.00 बजे से निरीक्षण भवन लोक निर्माण भवन में महिला उत्पीड़न की नवीन घटनाओं को संज्ञान लेकर जनसुनवाई का आयोजन किया जाना है। जिसमें यदि किसी महिला को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी हो तो महिला जन सुनवाई द्वारा अपनी समस्याओं का निस्तारण करवा सकती है।

मुठभेड़ में दो बदमाश ढेर: असम पुलिस से छूटकर भाग रहे थे गो–तस्कर

मेरठ ब्यूरो : दो लाख का इनामी रहा अकबर बंजारा और उसका भाई सलमान असम में मुठभेड़ में ढेर हो गए हैं। दोनों भाइयों को मेरठ पुलिस ने एक सप्ताह पहले गिरफ्तार किया था। उसके बाद दोनों भाइयों को पुलिस असम ले गई थी। बता दें कि असम पुलिस ने दोनों भाइयों को सात दिन के रिमांड पर लिया हुआ था। वहीं मंगलवार सुबह असम पुलिस उनको कोर्ट में पेश करने के लिए जा रही थी, इसी दौरान दोनों भाई पुलिस से छूटकर भाग गए। इसके बाद असम पुलिस की दोनों भाइयों से मुठभेड़ हुई, जिसमें दोनों भाई मारे गए। एसपी देहात केशव कुमार ने बताया कि मुठभेड़ में गो–तस्कर अकबर बंजारा और उसका भाई सलमान मारे गए हैं। दोनों के खिलाफ मेरठ में भी कई मुकदमे दर्ज हैं। गोकशी करने के बाद अकबर बंजारा गो मांस असम से दूसरे राज्यों में सप्लाई करता था।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

जीवन की सबसे बड़ी गलती वही होती है जिससे हम कुछ सीख नहीं पाते हैं।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

अब बांग्ला नव वर्ष पर आफत, अरब संस्कृति का वर्चस्व स्थापित करने में लगे कट्टरपंथी

वर्ष 1967 से ही 'छायानट' नाम का गायकों का एक समूह रमना में नए साल का उत्सव मनाता है। इस समूह ने पाकिस्तानी शासन के दौरान भी नया साल मनाकर इस्लामाबाद को चुनौती दी थी। वही छायानट आज उन कट्टरपंथियों के निशाने पर है, जो बांग्ला संस्कृति की जगह इस्लामी संस्कृति को महत्व देते हैं। इसके अलावा ढाका विश्वविद्यालय के चारुकला इंस्टीट्यूट के नेतृत्व में नए साल पर ढाका में एक शोभायात्रा भी निकलती रही है।

हर साल 14 या 15 अप्रैल को बांग्ला नववर्ष मनाया जाता है। बांग्ला कैलेंडर के हिसाब से बैसाख का पहला दिन होने के कारण इसे 'पयला बैसाख' कहते हैं। चूंकि पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश की संस्कृति एक है, इसीलिए दोनों बंगाल में नए साल की धूम रहती है। यह भी तथ्य है कि अभी तक पश्चिम बंगाल की तुलना में बांग्लादेश में बांग्ला नववर्ष का समारोह ज्यादा धूमधाम से मनाया जाता रहा है। लेकिन बांग्लादेश में चूंकि कट्टरपंथी लोग बांग्ला संस्कृति को खत्म कर अरबी संस्कृति का वर्चस्व स्थापित करने में लगे हैं, ऐसे में, भविष्य में वहां इस धर्मनिरपेक्ष त्योहार का आयोजन इसी धूमधाम के साथ हो सकेगा, इसमें संदेह है।

हालांकि बांग्लादेश में बांग्ला संस्कृति पर यह पहला हमला नहीं है। मोहम्मद इरशाद जब राष्ट्रपति थे, तब उन्होंने बांग्ला नववर्ष की तारीख 14 अप्रैल तय कर दी थी, जबकि पश्चिम बंगाल में 15 अप्रैल को नया साल मनाया जाता है। इरशाद ने वह निर्देश इसलिए जारी किया था, ताकि बांग्लादेश के मुस्लिम पश्चिम बंगाल के हिंदुओं से अलग दिखें। बांग्लादेश में नए साल के लिए जिस तरह 14 अप्रैल की तारीख तय कर दी गई है, उस तरह ईद और रोजे की तारीख तय नहीं की गई। इस सोच को मूर्खता के सिवा और क्या कहेंगे!

बांग्लादेश एक मुल्क के रूप में जन्मा ही इसलिए था कि पाकिस्तान की कट्टर इस्लामी संस्कृति से वह अलग होना चाहता था। लेकिन विडंबना देखिए कि अस्तित्व में आने के कुछ साल बाद से ही बांग्लादेश में इस्लामी तत्व प्रबल होने लग गए थे। यही तत्व आज बांग्ला नववर्ष को हेय दृष्टि से देखते हैं। इन्हीं तत्वों ने बांग्ला कैलेंडर को मुसलमानी कैलेंडर में बदल दिया है। बांग्ला कैलेंडर के पीछे मुगल बादशाह अकबर का योगदान जरूर है, लेकिन उसका इस्लाम धर्म से लेना-देना नहीं है। सिर्फ खेती, फसल और लगान वसूली में सुविधा के लिए अकबर के समय हिजरी कैलेंडर की जगह बांग्ला कैलेंडर की शुरुआत की गई थी।

चौत संक्रांत को मेरी नानी कोई कड़वा व्यंजन जरूर बनाती थीं। उन्होंने अपनी मां से यह सीखा था। उनकी मां ने, जाहिर है, अपनी मां से सीखा होगा। परंपरा और संस्कृति इसी तरह निर्मित होती हैं। हालांकि अब हमारी खाला और मामी चौत संक्रांत को कड़वा कुछ नहीं बनातीं, न ही खाती हैं। मुझे याद है कि चौत संक्रांत के दिन गांवों में चड़क पूजा (बंगाल में चौत के अंतिम दिन भगवान शिव के सम्मान में मनाया जाने वाला एक लोक त्योहार) होती थी। मेरे दोनों बड़े भाई बांसवन पार कर पूजा देखने जाते थे और वहां बांस-रस्सी का खेल हैरत से देखते थे।

उसी दिन सब लोग लोकनाथ पंचांग खरीदते थे। मेरे भैया भी पंचांग खरीदकर लाते थे। नए साल के दिन जगह-जगह मेले लगते थे, जिनमें मिट्टी के बर्तन और बेंत व लकड़ी के सामान बिकते थे। पश्चिम बंगाल में भी बैसाख के पहले दिन मेले लगते थे, अब भी लगते होंगे। मैंने बचपन में देखा है कि बांग्लादेश में नए साल के उत्सव में हिंदू, मुस्लिम, बौद्ध और ईसाई-सभी उत्साह के साथ भाग लेते थे। उस दिन गांव में नौका दौड़ और कुश्ती के आयोजन होते थे। बचपन में नए साल की सुबह से ही मैं अपनी सहेलियों के साथ बांसुरी बजाती और गुब्बारों से खेलती।

शाम को मेले में जाती थी, जहां मिट्टी के बर्तन व चीनी से बने हाथी-घोड़े बिकते थे। बांग्ला नववर्ष का वह उत्सव बांग्लादेश में अब नहीं है। सुनती हूं कि अब नववर्ष का उत्साह शहरों में ही थोड़ा-बहुत दिखता है। कवि-साहित्यकारों ने इसे किसी तरह बचाकर रखा है। ढाका के रमना में, जो एक प्रशासनिक इलाका है और जहां ब्रिटिशकालीन इमारतें हैं, कवि-कलाकार इकट्ठा होते हैं और फिर पूरे दिन कविता पाठ और गाना चलता है। वहां नए साल की सुबह से ही बांग्ला संस्कृति के प्रेमी जुटते हैं। वहां खरीदारों और तांत की साड़ी और कुर्ते-पाजामे में लोगों की भीड़ दिखती है।

वर्ष 1967 से ही 'छायानट' नाम का गायकों का एक समूह रमना में नए साल का उत्सव मनाता है। इस समूह ने पाकिस्तानी शासन के दौरान भी नया साल मनाकर इस्लामाबाद को चुनौती दी थी। वही छायानट आज उन कट्टरपंथियों के निशाने पर है, जो बांग्ला संस्कृति की जगह इस्लामी संस्कृति को महत्व देते हैं। इसके अलावा ढाका विश्वविद्यालय के चारुकला इंस्टीट्यूट के नेतृत्व में नए साल पर ढाका में एक शोभायात्रा भी निकलती रही है। जिन-जिन सड़कों से यह शोभायात्रा गुजरती है, उन्हें एक रात पहले ही अल्पना से सुसज्जित कर दिया जाता है।

शोभायात्रा में धोती-कुर्ता पहने पुरुषों और साड़ी पहनी महिलाओं को नाचते-गाते देखना एक अद्भुत अनुभव था। नए साल के मेलों में कई जगह केले के पत्ते पर खिचड़ी प्रसाद खिलाने और रात भर कीर्तन चलने की याद मुझे अब भी है। कुछ मेलों में कठपुतली नाच और सर्कस भी होते थे। वे दिन अब बीत चुके हैं। पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश की संस्कृति पहले एक ही थी। लेकिन बांग्लादेश में इस साझा संस्कृति के बीच धर्म की दीवार खड़ी कर दी गई है। मैं बांग्लादेश में कट्टरता को खत्म नहीं कर सकती, क्योंकि वर्षों पहले मुझे वहां से खदेड़ दिया गया है।

मैं पश्चिम बंगाल में नए साल के उत्सव को और बेहतर ढंग से मनाए जाने की अपील भी नहीं कर सकती, क्योंकि वहां से भी मुझे भगा दिया गया है। मैं सिर्फ एक ही अपील कर सकती हूं कि पहले की तरह दोनों बंगाल में नया साल एक ही दिन मनाया जाए। इससे कम से कम यह तो मालूम होगा कि यह नववर्ष हिंदू या मुसलमानों का नहीं, बंगालियों का है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से मैं सुन रही हूं कि बांग्लादेश के कट्टरपंथियों ने यह घोषणा कर रखी है कि वे बांग्ला नववर्ष को किसी तरह का उत्सव नहीं चाहते।

वे भले न चाहते हों, लेकिन जो इस बांग्ला संस्कृति को जिलाए रखना चाहते हैं, उन्हें तो नया साल मनाने दें। लेकिन वहां अब बांग्ला नववर्ष का विरोध बढ़ने लगा है। खान-पान और वेश-भूषा के साथ अब वहां की संस्कृति पर भी अरब का प्रभाव मजबूत होता जा रहा है। लोग अपने धर्म के प्रति कट्टर होते जा रहे हैं। जिस कट्टरता के विरोध में बांग्लादेश बना था, आज वह उसी कट्टरता को स्वीकारता जा रहा है। नहीं पता कि आने वाले दिनों में बांग्लादेश के कट्टरपंथी और किन चीजों पर प्रतिबंध लगाएंगे।

ये लेखक के अपने विचार हैं।

एनआईआईएफटी डिजाइन प्रबंधन एवं प्रोद्यौगिकी के क्षेत्र में छात्रों को बेहतर भविष्य प्रदान करता हैः डॉ. पूनम अग्रवाल

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। एनआईआईएफटी की स्थापना मोहाली में 1995 में पंजाब सरकार के द्वारा उद्योग एवं वाणिज्य मंत्रालय के तहत की गई। एनआईआईएफटी डिजाइन, प्रबंधन एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शिक्षा प्रदान करता है, जहाँ देश भर से महत्वाकांक्षी विद्यार्थी आकर इसके शिक्षा कार्यक्रमों से लाभान्वित होते हैं। साल दर साल यह संस्थान अपने प्रोग्राम में नए पाठ्यक्रमों को शामिल कर रहा है और परिधान उद्योग के साथ इसके लगातार बेहतर संबंध स्थापित हो रहे हैं। फैशन के कारोबार में उद्योग जगत को प्रशिक्षित पेशेवर उपलब्ध कराने के लिए एनआईआईएफटी, मोहाली ने साल 2008 व 2009 में लुधियाना व जालंधर दो केन्द्रों की स्थापना की। उक्त बातें मंगलवार को होटल चरण प्लाजा में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए एनआईआईएफटी मोहाली एवं लुधियाना की प्राचार्या डॉ. पूनम अग्रवाल ठाकुर ने कहीं। उन्होंने बताया कि भगवंत मान, मुख्यमंत्री व उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पंजाब सरकार सिबिन सी, निदेशक, उद्योग विभाग, पंजाब व गीतिका सिंह, पीसीएस, निदेशक एनआईआईएफटी के गतिशील नेतृत्व और सक्षम मार्गदर्शन के तहत एनआईआईएफटी काम कर रहा है। डॉ. पूनम अग्रवाल ने बताया कि एनआईआईएफटी में दाखिले के लिए तीन केंद्रों पर सभी स्नातक कार्यक्रमों के लिए एक प्रवेश परीक्षा के आधार पर होगा जो जून 2022 में आयोजित होने वाला है। स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश सीधे अर्हक परीक्षा की पारस्परिक योग्यता के आधार पर होता है। उन्होंने कहा कि जालंधर में नए अत्याधुनिक भवन के शुभारंभ के साथ, एनआईआईएफटी ने जालंधर में शुरुआती 10 प्रवेशों के लिए शुल्क-माफी की घोषणा की है। एनआईआईएफटी में फैशन डिजाइन के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू हो चुका है और आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 23ण्05ण्2022 है। विवरण वेबसाइट ूूूण्दपपजिपदकपंण्बवउ पर देखा जा सकता है। डॉ. पूनम अग्रवाल ठाकुर ने बताया कि पंजाब में फैशन उद्योग की जरूरतों को देखते हुए एनआईआईएफटी फैशन डिजाइन और वस्त्र प्रौद्योगिकी, परिधान मर्चेंडाइजिंग आदि के क्षेत्र में और अधिक पेशेवर कार्यक्रम, शॉर्ट टर्म सर्टिफिकेट प्रोग्राम, व्यावसायिक कार्यक्रम

पेश करेगा। वहीं प्रेस को संबोधित करते हुए एनआईआईएफटी के रजिंदर शर्मा ने बताया कि एनआईआईएफटी मोहाली, लुधियाना और जालंधर परिसर एक एकड़ में फैला हुआ है। एनआईआईएफटी में उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे, अत्याधुनिक परिसर, डिजिटल क्लासरूम और स्टूडियो, वाई-फाई कैंपस, लाइब्रेरी, रिसोर्स सेंटर, आर्ट स्टूडियो पूरी तरह से संस्थान निम्नलिखित पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है। 102 के बाद फैशन डिजाइन में बी. एस. सी. 102 के बाद टेक्सटाईल डिजाइन में बी. एस. सी. 102 के बाद नाईटवियर डिजाइन एवं टेक्नोलॉजी में बी. एस. सी. स्नातक के बाद गारमेन्ट मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी में एम. एस. स्नातक के बाद फैशन मार्केटिंग एंड मैनेजमेंट में एम. एस. सी. स्नातक के बाद फैशन व टेक्सटाइल में एम. डीस सी.रजिंदर शर्मा ने प्लेसमेंट को लेकर बताया कि एनआईआईएफटी सभी क्षेत्रों जैसे फैशन डिजाइन, टेक्सटाईल डिजाइन, नाईटवियर डिजाइन एवं टेक्नोलॉजी, गारमेन्ट मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी, फैशन मार्केटिंग मैनेजमेंट आदि से पास होने वाले विद्यार्थियों को लगभग 100 फीसदी प्लेसमेन्ट उपलब्ध कराता है। विद्यार्थियों को कई अग्रणी कंपनियों जैसे लाइफ स्टाइल, मार्क्स एंड स्पेंसर, कैंपसंस, ट्राइडेंट, वर्धमान, ओरिएंट क्राफ्ट, टाईनॉर, कैसकेड, ऑक्टेव के साथ ही कई डिजाइनर्स जैसे तरुण तहिलियानी, सत्यपॉल, ऋतू कुमार, जेजे वाल्या आदि जगह प्लेसमेन्ट्स दी गई हैं। हमारे फैशन डिजाइन के विद्यार्थी ऐसी अंतःविषयी शिक्षा प्राप्त करते हैं। जो उन्हें उद्योग जगत की भावी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करती है। संस्थान और उसके संकाय द्वारा प्रदान किया गया समर्थन यह सुनिश्चित करता है कि सभी छात्रों को अपने पेशे में सफल होने के अवसर मिले।

टाइम एरा फाउंडेशन लखनऊ के चेयरमैन ने राज्यपाल महामहिम श्रीमती आनंदी बेन से की मुलाकात

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। समाज सेवी और टाइम एरा फाउंडेशन लखनऊ के चेयरमैन पंकज पाठक ने राज्यपाल महामहिम श्रीमती आनंदी बेन से मुलाकात की और समाज सेवा के राजनैतिक सफर के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया। पंकज पाठक जी एक युवा उभरते समाज सेवी है जो विगत 10 वर्षों से अपने गृह जनपद अम्बेडकर नगर में गरीबों, युवाओं और आर्थिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए तरह तरह के विकास के रास्ते प्रज्ज्वलित करके उन्हें आर्थिक विकास की मुख्य धारा से जोड़ते रहते हैं। खासकर युवा पीढ़ी के बेरोजगार लोगों को आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने हेतु स्किल डेवलपमेंट कर उन्हें पैरों पर खड़ा होने में बहुत ही सराहनीय सहयोग करते हैं। सदैव इन्होंने युवाओं गरीबों को एक ही बात पर जोर दिया है कि गरीबी में पैदा होना अभिशाप नहीं है किन्तु गरीबी में जीवन यापन करते रहना अपनी खुद की अकर्मण्यता है। ये सेमिनार में यह संदेश देते हैं कि बेरोजगारी का

नारा बुलंद वे लोग करते हैं जिन्हें स्वरोजगार का या तो प्रशिक्षण नहीं मिला या उन्हें परजीवी बने रहने की आदत हो गई है। विभिन्न प्रकार की योजनाओं को पूरे प्रदेश में सहकारिता और जनसहयोग के आधार पर चलाने के लिए महामहिम से आशीर्वाद प्राप्त किया।

राष्ट्रीय तनाव जागरूकता दिवस के अवसर पर डा.शिवांगी श्रीवास्तव ने बताएं कुछ सुझाव

जौनपुरःपत्रकार अनुराग श्रीवास्तव : शिवांगी श्रीवास्तव नैदानिक मनोविज्ञान मनोशांति सेंटर फॉर मेंटल हेल्थ केयर वाराणसी ने राष्ट्रीय तनाव जागरूकता दिवस के अवसर बताया कि तनाव मानव में होने का एक अपरिहार्य हिस्सा है। यह एक सार्वभौमिक अनुभव है लेकिन यही तनाव जब सीमा से परे हो जाता है। मनुष्य चिंता का सामना नहीं कर पाता तो वह आपके शरीर संज्ञान भावना व आपके स्वास्थ्य पर भी बुराअसर डाल देता है। हाल के वर्षों में तनाव इतना ज्यादा बढ़ रहा है की अधिकांश लोग के लिए तनाव प्रबंध का एक प्रभावी तरीका जरूरी होता जा रहा है। परंतु लोग या तो इसको समझ पाने में असफल होते जा रहे हैं या तो इसे पागलपन का नाम देने लग गए हैं। तनाव होना या किसी प्रकार से अपनी समस्या का सामना कर पाने में असफल होना ना केवल समस्या समाधान की कमी के कारण होने वाले मानसिक परेशानी है या तो अत्याधिक तनाव में होने के कारण संज्ञानात्मक भावनात्मक शारीरिक व व्यवहारात्मक समस्या है। लोग जहां शारीरिक परेशानी में होने के कारण डॉक्टर का इलाज सुखी सुखी लेना पसंद करते हैं वहीं दूसरी और मानसिक परेशानी में होने के बावजूद नहीं मनोचिकित्सक के पास जाना पसंद करते हैं ना खुल के इस बारे में बात करते हैं। और साथ ही इस हो पागल का नाम भी देते हैं। नेशनल स्ट्रेस अवेयरनेस वीक इसीलिए

मनाया जाता है ताकि जन-जन जागरूक हो सके कि स्ट्रेस क्या है, इसका कारण क्या है। निवारण के साथ-साथ इससे जुड़े नित्य क्या है के बारे में लोगों तक जागरूकता फैला सकें।और लोग समय से पहले तनाव से संबंधित परेशानी को जान सके व समझ सके। इसका इलाज ले सके।

वही दूसरी ओर न्यूरो सिटी वाराणसी के डॉक्टर राकेश सिंह (न्यूरो सर्जन) का कहना है कि तनाव में रहना अच्छी बात है, परंतु हद से ज्यादा तनाव व्यक्ति में चिड़चिड़ापन अवसाद और पैनिक डिसऑर्डर ओसीडी उदासी शरीर में झनझनाहट सहित छोटी-छोटी बातों पर परेशानी बेहोशी नींद ना आना, भूख न लगना, ज्यादा खाना या कम खाना खुद को बेकार समझना, भरोसा कम करना कम बोलना या अकेलापन अच्छा लगना, आदि लक्षणों को जन्म देते हैं। इन लक्षणों का इलाज करने के साथ इनकी पहचान भी अति आवश्यक है या परेशानी व्यक्ति में मधुमेह, हार्ट संबंधी रोग, न्यूरो संबंधी रोग को भी बढ़ा सकती है।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने 'जर्सी' के मेकर्स पर छोड़ा फैसला : रजनीश ने लगाया था स्क्रिप्ट चोरी आरोप

मुम्बई ब्यूरो : शाहिद कपूर की फिल्म 'जर्सी' पिछले कुछ समय से कानूनी पेच में फंसी हुई थी। फिल्म के मेकर्स पर रजनीश जायसवाल नाम के एक राइटर ने स्क्रिप्ट चोरी का आरोप लगाया था। रजनीश ने केस फाइल कर फिल्म में क्रेडिट देने की मांग की थी। अब इस मामले पर बॉम्बे हाई कोर्ट का फैसला आया है। बॉम्बे हाई कोर्ट के जस्टिस के आर श्रीराम और एन आर बोरकर ने फिल्म के मेकर्स को कहा कि उन्हें रजनीश जायसवाल को क्रेडिट देने के बारे में सोचना चाहिए। अब देखने वाली बात ये होगी की कि क्या फिल्म के मेकर्स रजनीश को क्रेडिट देते हैं या नहीं। ये पहली बार नहीं हुआ है कि रिलीज से पहले कोई फिल्म कानूनी पेच मे फंसी हो। पहले भी ऐसे कई मामले आए हैं। 'जर्सी' की रिलीज डेट में कई बार बदलाव किया गया है। पहले कोरोना महामारी के चलते फिल्म की रिलीज डेट को बढ़ाकर 14 अप्रैल किया गया था। फिल्म 14 अप्रैल को रिलीज के लिए तैयार भी थी लेकिन तीन दिन पहले ही फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया। वहीं, रिलीज डेट को बढ़ाने की वजह 14 अप्रैल को ही रिलीज हुई 'केजीएफ 2' और 13 को रिलीज हुई 'बीस्ट' को माना जा रहा था। हालांकि फिल्म के

निर्माता ने कहा था कि कानूनी पचड़ों में फंसने की वजह से ऐसा हुआ है। आपको बता दें कि 'जर्सी' इसी नाम से बनी तेलुगू फिल्म का रीमेक है। इस फिल्म में शाहिद कपूर और मृणाल ठाकुर पहली बार साथ नजर आने वाले हैं। वहीं, पंकज कपूर भी फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। इसका निर्देशन गौतम तन्नूरी ने किया है। 'जर्सी' का इंतजार फैंस काफी समय से कर रहे हैं। फिल्म 22 अप्रैल को सिनेमाघरों में आएगी।

गृह राज्यमंत्री के बेटे आशीष मिश्र को दोहरा झटका : जिला अदालत में 26 अप्रैल को तय होंगे आरोप

लखीमपुर खीरी ब्यूरो : तिकुनिया हिंसा मामले में हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद मुख्य आरोपी आशीष मिश्र मोनू की तरफ से जिला अदालत में जहां केस को ही सिरे से खारिज करने की बात कही जा रही थी, वहीं सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के फैसले से मंत्री पुत्र को दोहरा झटका लगा है। जिला अदालत में आरोप तय करने को लेकर जहां 26 अप्रैल की तारीख तय है, वहीं उससे पहले ही 25 अप्रैल तक आशीष मिश्र को सुप्रीम कोर्ट ने वापस आत्मसमर्पण करने का आदेश दे दिया है। जमानत पर छूटे मुख्य आरोपी आशीष की ओर से अदालत में डिस्चार्ज एप्लीकेशन दी गई और जोरदार तरीके से यह बात उठाई गई कि उसके खिलाफ मुकदमा चलने लायक भी कोई सबूत नहीं हैं। इसी के चलते जिला जज अदालत आरोप तय करने की कार्रवाई के बजाय पहले ही आशीष मिश्र के खिलाफ मुकदमा चलने लायक कोई सबूत, जांच या परिस्थितियां हैं या नहीं, इसी की सुनवाई में उलझ गई। हालांकि, आशीष मिश्र मोनू की ओर से दाखिल की गई डिस्चार्ज एप्लीकेशन के खिलाफ अभी तक सरकार पक्ष की ओर से कोई आपत्ति नहीं आई है, लेकिन उनके नक्शे कदम पर अन्य आरोपियों की ओर से भी डिस्चार्ज एप्लीकेशन देने की तैयारियां चल रही हैं और दोनों पक्षों को अदालत ने इसके लिए 10 दिनों की मोहलत भी दे रखी है। इसी बीच हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के न्यायमूर्ति राजीव सिंह की ओर से दिए गए जमानत आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अदालती आदेश पर सवाल उठाए, जिसे सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के जमानत आदेश को खारिज कर दिया। जिले में कानून और न्याय व्यवस्था से जुड़े लोग मानते हैं सुप्रीम फैसला आने के बाद लोगों का भरोसा न्यायपालिका पर बरकरार हुआ है। हिंसा से जुड़े गवाहों पर हमले ने भी बढ़ाई मुसीबत आशीष मिश्र मोनू की जमानत के बाद तिकुनिया हिंसा से जुड़े गवाहों पर हमलों ने भी उसकी मुश्किल बढ़ाई। सुप्रीम कोर्ट में भी गवाहों पर हमला और उनकी सुरक्षा को लेकर कई बार मसला उठा। एक बार तो गवाह पर हमले के मामले में अदालत ने अपने बयान में खुद कहा था कि, क्यों न आशीष मिश्र की जमानत रद्द कर दी जाए। 10 फरवरी को हाईकोर्ट ने आशीष मिश्र की जमानत आदेश पर फैसला उनके पक्ष में सुनाया, लेकिन जमानत आदेश में त्रुटि होने पर 11 फरवरी को अदालत में पहले करेक्शन एप्लीकेशन डाली गई, जिस पर 14 फरवरी को जमानत आदेश आया। लिहाजा 15 फरवरी को आशीष मिश्र मोनू की रिहाई हो सकी। लेकिन, दो महीने बाद ही पूरा सीन बदल गया और उसके लिये वापस जेल के रास्ते खुल गए, जिसमें सबसे ज्यादा उसकी मुश्किल गवाहों पर हमले के मामले से बढ़ी। 10 मार्च को तिकुनिया थाना क्षेत्र के डांगा इलाके में तिकुनिया हिंसा के गवाह दिलजोत सिंह पर हमला हुआ। उसके बाद अप्रैल महीने में रामपुर में हरदीप सिंह पर हमला हुआ। 10 मार्च को तिकुनिया थाना में रिपोर्ट दर्ज कराने वाले गवाह दिलजोत सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि जब वह 10 मार्च को डांगा इलाके से गन्ना भरी ट्रॉली लेकर गुजर रहा था तभी भाजपा की जीत का जश्न मना रहे लोगों ने उससे बदसलूकी की और विरोध करने पर बेल्ट से पिटाई कर दी। साथ ही यह भी आरोप लगाया था कि हमलावरों ने उनसे यह कहते हुए जान से मारने की धमकी दी थी कि अब मोनू भैया जमानत पर वापस आ गए हैं और गवाहों को सबक सिखाया जाएगा। घटना के बाद भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी गुट के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने तिकुनिया पहुंचकर कौड़ियाला गुरुद्वारा में किसान महापंचायत भी की थी। वहीं, मामले में किसानों की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए वकील प्रशांत भूषण ने भी इस मसले को अदालत में उठाया था, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार से रिपोर्ट तलब की थी और सभी गवाहों को सुरक्षा देने का निर्देश दिया था।

भारतीय जनता पार्टी ने आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और आशा कार्यकर्ताओं को किया सम्मानित

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व के निर्देशानुसार पूरे जनपद में आंगनवाड़ी कार्यकर्ती एवं आशा कार्यकर्ताओं का स्वागत किया गया इसी क्रम में नगर बाल विकास परियोजना कार्यालय पर महिला मोर्चा के जिला प्रभारी राजेश अग्निहोत्री का रोली गुप्ता व अन्य कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ देकर के स्वागत किया जिला महामंत्री रीना गुप्ता जी ने उपस्थित सभी आंगनवाड़ियों को पुष्पमाला रोली अक्षत वह मिठाई खिलाकर स्वागत किया इस अवसर पर जिले के प्रभारी श्री राजेश अग्निहोत्री ने कहा आशा व आंगनबाड़ी स्वास्थ्य शिक्षा दोनों के लिए नीव की ईट का काम कर रही हैं जिस प्रकार से दोनों घर जाकर बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक का स्वास्थ्य परीक्षण करना उन उनके बारे में सही जानकारी देना करोना काल में अपने जान की चिंता न करना दूसरे को स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां देना कुपोषण से दूर कर आना आज विभिन्न प्रकार की योजनाओं को घर घर पहुंचा कर सरकार का सहयोग कर रही हैं इसके लिए आप सभी अभिनंदन के पात्र हैं उसी कड़ी में आज महिला मोर्चा द्वारा पूरे जनपद में इस प्रकार के कार्यक्रम किए गए हैं आनंदपुर में श्वेता अग्निहोत्री शाहबाद में रोली गुप्ता सवायपुर में रचना मिश्रा टोडरपुर में अलका गुप्ता कोथावां में बिंदेश्वरी सिंह बिलग्राम में बिलग्राम में गीता गुप्ता मल्लावा में चंपा कश्यप आदि विभिन्न आज विभिन्न स्थानों पर इसी प्रकार से आंगनवाड़ी आशाओं को सम्मानित कर पार्टी ने सबसे नीचे से कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं

का उत्साहवर्धन किया है आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने ताज 14 वर्ष की नौकरी में इस प्रकार का सम्मान मुझे कभी नहीं मिला यह इसी यह भारतीय जनता पार्टी के संस्कारों से ही द्वारा ही संभव है जबकि हम लोग हमेशा कार्य करते रहते हैं लेकिन आज जिस प्रकार से आप लोगों ने मुझे सम्मान दिया है इससे हमें कार्य करने के लिए और उत्साह मिला है इस अवसर पर प्रभारी सीडीपीओ नीतू वर्मा कोऑर्डिनेटर पूजा पाठक एवं काफी संख्या में आंगनवाड़ी आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नियत प्राधिकारी विनियमित क्षेत्र जौनपुर के कार्यालय का निरीक्षण कर दिये गये निर्देश

जौनपुर सू.वि. : नगर मजिस्ट्रेट अवगत कराया है कि नियत प्राधिकारी विनियमित क्षेत्र जौनपुर के कार्यालय का निरीक्षण किया गया जिनमें आम जन मानस की सुविधाओं के दृष्टिगत कुछ निर्देश दिये गये, जिसमे विनियमित क्षेत्र जौनपुर के 1974 से गठन के पश्चात स्वीकृत भवन मानचित्रों को 20 अप्रैल 2022 तक वर्षवार वर्णानुक्रम में कम्प्यूटर में दर्ज कराये जाने हेतु अवर अभियन्ता विनियमित क्षेत्र को निर्देशित किया गया। विनियमित क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले सदर तहसील के समस्त लेखपालों को बुलाकर एक बैठक की गयी जिसमें शहर में विनियमित क्षेत्र के अन्तर्गत भवन निर्माण के सम्बन्धा में क्षेत्रीय लोखपालों को जांचकर निर्माण के सम्बन्ध में स्वीकृती प्राप्त की गयी है या नहीं, की जांचकर नक्शों की एक प्रति प्राप्त किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। भवन स्वामी द्वारा भवन मानचित्र उपलब्ध न कराये जाने की दशा में निर्माण की चौहददी, फोटो व बयान सहित अपनी रिपोर्ट नियत प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के निर्देश दिये गये। इस सम्बन्ध में यह भी निर्देशित किया गया है कि यदि कोई उत्कोच लेने की बात संज्ञान में आयी तो सम्बन्धित के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी। उक्त के अनुपालन में लेखपाल संजय कुमार सिंह द्वारा 02 अनाधिकृत निर्माण की रिपोर्ट तथा लेखपाल प्रभात कुमार यादव द्वारा 01 अनाधिकृत निर्माण की रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी है। जिस पर आर०बी०ओ० एक्ट के अन्तर्गत कार्यवाही की जा रही है। नियत प्राधिकारी के आदेश 22 जून 2021 के अनुपालन में मोहल्ला नखास स्थित विजय कुमार बरनवाल आदि के नजूल भूमि पर स्थित भवन पर किये गये अनाधिकृत निर्माण को ध्वस्त कर भूमि अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद जौनपुर को सुपुर्द कर दिया गया है। जिस पर भू–तल पर सार्वजनिक शौचालय तथा प्रथम तल पर रैन बसेरा बनाये जाने हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा आगामी त्यौहार के मद्देनजर शहर क्षेत्र में किया गया पैदल मार्च

जौनपुर सू.वि. : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा एवं पुलिस अधीक्षक अजय साहनी द्वारा आगामी त्यौहार के मद्देनजर एवं सुरक्षा के दृष्टिगत शहर क्षेत्र में पैदल मार्च किया गया और जनपदवासियों से त्यौहार को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील भी की गयी। जिलाधिकारी ने कहा कि त्यौहार हम सभी के जीवन को हर्षोल्लास से भर देते हैं और हम सभी के जीवन में नवीनता और उमंगता का संचार करते हैं, सभी लोग आपसी भाईचारे व एकता का परिचय देते हुए प्रेम पूर्वक त्यौहार को मनाये। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनपद में प्रतिदिन प्रशासन एवं पुलिस के द्वारा विभिन्न स्थानों पर रूट मार्च किया जा रहा है, व्यापार संगठनों व धर्म गुरुओं से वार्ता की जा रही है जिससे आगामी त्यौहार को शांतिपूर्वक मनाया जा सके। उन्होंने सभी को आश्वस्त किया है कि पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है, किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न नही होने दी जायेगी । इस अवसर पर जॉइंट मजिस्ट्रेट हिमांशु नागपाल, अपर पुलिस अधीक्षक शहर डॉ संजय कुमार, क्षेत्राधिकारी जितेंद्र दुबे सहित अन्य उपस्थित रहे।

पुण्य तिथि पर याद किये गए वैज्ञानिक डॉ शमीम हैदर

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : यंग साइंटिस्ट एवर्डेड स्वर्गीय डा. शमीम हैदर पूर्व प्रोफेसर बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी की पुण्य तिथि के मौके पर एएम सनबीम स्कूल के सभागार में मजलिस का आयोजन हुआ । मजलिस के उपरांत एएम.सनबीम स्कूल के प्रबंधक तहसीन अब्बास सोनी ने डाक्टर शमीम की जिंदगी पर प्रकाश डाला और सभी उपस्थिति लोगो से सूरे फातेहा पड़ने की गुजारिश की तत्तपशचात सोजखानी डॉ एबाद साहब,हाजी समीर

साहब ने की । मजलिस को खिताब करते हुए मौलाना फजले मुमताज साहब ने अपने मखसूस अंदाज मे कहा कि दुश्मन जब भी वार करता है वह हमारे लिबास मे करता है इसे पहचानना बहुत जरूरी है इंसान खाली अपनी भौतिक जरूरतो पर धयान देता है अध्यातमिक (रूहानी) जरूरतो पर नही । रूह को बुलन्द करने पर ज्यादा ध्यान नही देता है रूह की बुलन्दी से अल्लाह से ही कुरबत यानी नजदीकी हासिल हो सकती है । उन्होंने कहा अगर अपनी नफस रूह को पाक रखना है तो हर तरह के हराम काम से बचे ,बुगज हसद से बचे पाकिजा गेजा खाए । उन्होंने हजरत अब्बास अलमदार का मसायब पढ़कर यह पैगाम दिया कि हम कर्बला वालो से यह तालीम हासिल कर सकते है की किस तरह से हम समाज मे रिश्तेदारी मे रिश्तो को निभाह सकते हैं । मजलिस मे मुख्य रूप से नजमुल हसन नजमी,शिवली आजमगढ से आए कैसर हुसैन, एएम.डेजी,नसीम हसन,असलम नकवी, मुसतफा शमसी,शकील एडवोकेट, नसीम हैदर एडवोकेट,शबीह अब्बास, अरविन्द कुमार,आरिफ हुसैनी,बेलाल जानी,मासूम हुसैन,नाजिघ्म हुसैन, सोनू आदि के साथ भारी संख्या में लोग मौजूद रहे । बाद खत्म मजलिस आए हुए सभी मोमनीन का शुक्रिया शकील अहमद और तहसीन अब्बास सोनी ने अदा किया ।

पिहानी ब्लॉक स्तर सीएचसी पर 21 अप्रैल को होगा स्वास्थ्य मेला : तैयारी तेज

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिहानी पर एक दिवसीय ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया जाएगा। जिसका शुभारंभ विधायक श्याम प्रकाश अपने कर कमलों से करेंगे। इसमें आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य मेले में विभिन्न विभागों द्वारा स्टाल भी लगाए जाएंगे । डिपार्टमेंट ऑफ फूड सेफ्टी द्वारा मेले में स्टॉल लगाकर फूड सेफ्टी ऑफिसर के माध्यम से ईट राइट मूवमेंट के अंतर्गत खाद्य पदार्थों की शुद्धता की जांच के संबंध में जानकारी दी जाएगी। युवा कार्यक्रम एवं खेल

विभाग द्वारा फिट इंडिया मूवमेंट एवं खेल गतिविधियों का संचालन किया जाएगा। आयुष विभाग द्वारा स्वास्थ्य मेले में स्टाल लगाकर लोगों को आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, योग, औषधीय पौधे आदि के बारे में जानकारी दी जाएगी साथ ही लोगों को घरेलू पद्धति से उपचार के संबंध में जानकारी प्रदान की जाएगी। विभिन्न विभाग लगाएंगे स्टाल महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से स्टाल लगाकर पोषण अभियान, टेक होम राशन, कुपोषण आदि के संबंध में जानकारी दी जाएगी। पंचायती राज एवं नगरीय निकायों द्वारा स्टाल के माध्यम से सरकार की विभिन्न योजनाएं विशेषकर स्वच्छ भारत मिशन के बारे में जानकारी दी जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से गोल्डन कार्ड बनाए जाएंगे। मातृ शिशु स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, संचारी एवं गैर संचारी रोग संबंधित सेवाएं प्रदान की जाएंगी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक डॉ जितेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि एक दिवसीय ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य मेले से संबंधित तैयारियां की जा रही हैं। स्वास्थ्य मेले में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से संबंधित सभी पीएचसी की सूची प्रदर्शित की जाएगी। आशा कार्यकर्ता योजना के लाभार्थियों को मेला स्थल तक ले जाएंगे और उनका आयुष्मान कार्ड बनवाने में सहयोग करेंगी। मेला स्थल पर जागरूकता सामग्री के माध्यम से आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना से संबंधित स्टॉल प्रमुख रूप से प्रदर्शित किए जाएंगे।उन्होंने बताया कि योजना के तहत प्रति वर्ष प्रति लाभार्थी परिवार को पांच लाख रुपये तक की इलाज की सुविधा भर्ती होने के बाद निशुल्क उपलब्ध कराई जाती है स आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत आयुष्मान कार्ड उन्हीं लोगों का बनाया जाता है, जो लोग योजना में पहले से सूचीबद्ध है।

स्वास्थ्य मंत्री से मिलकर पैथोलॉजी अल्ट्रासाउंड सहित तमाम मशीनों को ठीक कराए जाने की हुई मांग

अयोध्या।(अमित कुमार मणि त्रिपाठी संवाददाता) अयोध्या की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक से सोमवार को जिले के वरिष्ठ भाजपा नेता विशाल मिश्रा ने मुलाकात कर यहां की स्वास्थ्य सेवाओं के संदर्भ में जानकारी देकर उन्हें अवगत कराया। विशाल मिश्रा ने श्री राम अस्पताल की व्यवस्थाओं को और बेहतर करने के साथ वहां की पैथोलॉजी अल्ट्रासाउंड सहित तमाम मशीनों को ठीक कराए जाने की भी मांग रखी है। जिला अस्पताल में बरसों से खराब पड़ी सिटी स्कैन मशीन को ठीक कराने की मांग उपमुख्यमंत्री प्रभारी स्वास्थ्य मंत्री से मांग किया। दर्शन नगर मेडिकल कॉलेज को 200 सैया का अस्पताल हैंड ओवर किए जाने की भी उप मुख्यमंत्री से विशाल मिश्रा ने मांग की। विशाल मिश्रा ने उपमुख्यमंत्री प्रभारी चिकित्सा मंत्री को लखनऊ स्थित उनके आवास पर प्रातः काल मुलाकात कर यहां अयोध्या जिले के में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर करने के लिए 4 सूत्री मांग पत्र सौंपा। जिस पर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने उनको इन मांगों को अतिशीघ्र पूरा किए जाने का भरोसा दिलाया।

मामूली विवाद में कर दी दोस्त की हत्या : मोबाइल गायब होने के बाद शुरू हुआ था विवाद

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) जनपद में इस समय अपराधियों के हौसले बढ़ गए हैं।जिस पर पुलिस रोक लगाने में नाकाम दिखाई दे रही है।रविवार देर रात्रि में एक बार फिर एक मामूली से विवाद में लोहे की रॉड से युवक को हत्या कर दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने इस पूरे मामले में जांच शुरू कर दी तो वहीं परिजनों के आरोप के मुताबिक एक व्यक्ति को हिरासत में ले लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है।सूत्र के मुताबिक अयोध्या कोतवाली क्षेत्र दर्शन नगर चौकी स्थित कुसमहा गांव में देर शाम शराब पीने के दौरान मोबाइल को लेकर विवाद शुरू हुआ। पुलिस के मुताबिक 28 वर्षीय रवि पांडे पुत्र प्रेम नाथ पांडे निवासी कुशमहा गांव के ही डब्बू सिंह पुत्र मनोज सिंह व अन्य साथियों के साथ बैठकर शराब पी रहे थे।इस दौरान डब्बू सिंह का मोबाइल गायब हो गया। इसके बाद डब्बू और रवि के बीच विवाद शुरू हुआ। विवाद को बढ़ता देख मौके पर अन्य साथियों ने दोनों को समझा–बुझाकर शांत कराया और घर भेज दिया था। लेकिन बात यहीं शांत नहीं हुआ और घर जा रहे रवि पर डब्बू के द्वारा ताबड़तोड़ लोहे की रॉड से हमला कर दिया। रवि अधिक चोट लगने के कारण घायल होकर जमीन पर गिर गया जहां उसकी मौत हो गई।आरोपी डब्बू घटना को अंजाम देने के बाद फरार है।कुशमाहा गांव में हुई घटना के बाद बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात कर दिया गया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार, एसपी सिटी विजय पाल सिंह सहित कई आलाअधिकारी मौके पर पहुंचे और इस पूरी घटना की जानकारी करते हुए तत्काल टीम गठित कर आरोपी की गिरफ्तारी के निर्देश भी दे दिए। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संचारी रोग नियंत्रण व दस्तक अभियान के दूसरे सप्ताह की समीक्षा

जौनपुर सू.वि. : पशुपालन विभाग तथा बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग ने दूसरे सप्ताह तक पहले सप्ताह के लिए निर्धारित लक्ष्य को भी को पूरा किया। पहले सप्ताह लक्ष्य के समतुल्य उपलब्धि न्यून रहने पर विभागाध्यक्षों ने आश्वस्त किया था कि दूसरे सप्ताह में गतिविधियां बढ़ाकर लक्ष्य हासिल कर लेंगे। संचारी रोग नियंत्रण व दस्तक अभियान को लेकर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में अभियान में सहयोग करने वाले विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारियों से प्राप्त कार्य योजना के अनुसार विभिन्न गतिविधियों के लक्ष्य के सापेक्ष दूसरे सप्ताह की उपलब्धि की समीक्षा की गई। बताया गया कि बेसिक शिक्षा विभाग अब तक 636 रैलियां निकाल चुका है। ग्राम विकास विभाग, पंचायती राजद्ध की ओर से प्रधानों ने 878 प्रभातफेरियां निकालीं और ग्राम स्तरीय बैठकें कीं। ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति वीएचएसएनसी की 744 बैठकें हुईं तथा 1024 ग्रामीण नालियों की सफाई की गई। 2,151 झाड़ियों की कटाई, 227 इंडिया मार्का, 2 हैंडपंप की मरम्मत तथा 197 प्लेटफार्म की मरम्मत की गई। 56 उथले हैंडपंप का चिह्नीकरण हुआ। स्वच्छ भारत मिशन के तहत 915 शौचालय बनवाए गए। नगर विकास विभाग ने नगरीय क्षेत्र में 12,129 नालियों की सफाई करवाई। 131 वार्डों में फागिंग का कार्य कराया। पशुपालन विभाग ने 140 सुअरपालकों को संवेदीकृत किया। कृषि विभाग ने रोडेन्टा चूहे, छछूंदर से बचाव के लिए संवेदीकृत करने को 887 बैठकें की। उद्यान विभाग की ओर से दो पार्कों में 1,725 मच्छररोधी पौधे लगाए गए। बाल स्वास्थ्य एवं पुष्टाहार विभाग आईसीडीएस ने 10 अति कुपोषित बच्चे चिह्नित कर पोषण पुनर्वास केंद्र एनआरसी संदर्भित कराया। दस्तक अभियान – जनपद में 15 अप्रैल से दस्तक अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए 1738 आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है जिनके माध्यम से घर–घर जाकर अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत अभी तक ग्रामीण स्वास्थ्यए स्वच्छता एवं पोषण समिति वीएचएसएनसी की 436 बैठकें कराई जा चुकी हैं। आशा कार्यकर्ता 1,50,496 घरों का भ्रमण कर लोगों को संचारी रोगों के प्रति जागरूक कर रहीं हैं। 610 मातृ बैठकों में माताओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया है। 443 ग्रामीण स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस की बैठकों में दिमागी बुखार पर चर्चा की गई। 5,526 स्थलों पर पीने के पानी की स्वच्छता के लिए क्लोरिनेशन डेमो का आयोजन किया गया। अभियान के व्यापक प्रचार–प्रसार के लिए 127 स्वयं सहायता समूहों की बैठकें हुईं। अभियान चलाकर 278 मलेरिया बुखार के रोगी चिह्नित हुए। इनमें से 124 की मलेरिया जांच कराई गई लेकिन कोई भी रोगी मलेरिया धनात्मक नहीं मिला। सर्दी, जुकाम के 164 रोगियों में से 128 की कोविड जांच की गई लेकिन कोई भी रोगी कोविड धनात्मक नहीं मिला। अभियान के दौरान अभी तक सात क्षयरोगियों को चिह्नित किया गया है। अभी तक कुल 24 कुपोषित बच्चे चिह्नित हुए हैं। इनमें से तीन बच्चों को उपचार के लिए संदर्भित किया गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी/सीएमओ डॉ लक्ष्मी सिंह ने जनपदवासियों से घरों के आस–पास सफाई रखने और अनावश्यक जल एकत्रित न होने देने की अपील की है। कूलर आदि की भी नियमित सफाई करने को कहा है। बुखार की सूचना नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ता को देने की बात कही है। जनहित के इस कार्यक्रम में लोगों से अपना सहयोग देने का आह्वान किया है।

योगी कैबिनेट की पहली बैठक: लैब टेक्नीशियन के खाली पड़े पदों को भरने और दिव्यांगों को न्यायिक पदों पर चार प्रतिशत आरक्षण देने पर हुआ फैसला

लखनऊ ब्यूरो : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार 2.0 की मंत्रिपरिषद की पहली बैठक मंगलवार को एनेक्सी में हुई जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में लैब टेक्नीशियन के खाली पड़े पदों को भरने से लेकर न्यायिक पदों पर चार प्रतिशत आरक्षण दिव्यांगों को देने सहित कई फैसले लिए गए। फैसलों की जानकारी उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना व पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने दी। कैबिनेट बैठक में लिए गए निर्णय: 1. अलकनंदा गेस्ट हाउस उत्तराखंड परिसर में 3,000 वर्गमीटर गेस्ट हाउस पर्यटन विकास निगम को हस्तांरित। 2– आगरा, मथुरा और प्रयागराज में निजी क्षेत्र के सहयोग से हेलीपैड बनेगा। 5 करोड़ रुपये इनके विकास में पहले ही खर्च कर चुका है। 3– रमाबाई स्थल के समीप बना हेलीपैड पर्यटन विभाग को मिलेगा। 4– 10 करोड़ तक के काम अब पर्यटन विकास निगम करेगा। उसे कार्यदायी संस्था के रूप में मंजूरी मिलेगी। 5– 82.53 किमी के पुखरायां घाटमपुर मार्ग का उच्चीकरण होगा। 1,136 करोड़ का निवेश होगा। 6– नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी) का सेंटर लखनऊ में खुलेगा। 2.5 एकड़ जमीन सरोजनीनगर के जैती खेड़ा में दी गई है। 7– लैब टेक्नीशियन के 25% पद लैब असिस्टेंट के प्रमोशन से भरे जाएंगे। 75 प्रतिशत सीधी भर्ती

होगी। 8– केजीएमयू के पुराने भवन का ध्वस्तीकरण होगा। 9– नोएडा पीजीआई के लिये 56 एकड़ जमीन चाहिए। ऑथरिटी ने 400 करोड़ से अधिक मांगा था। इसे निःशुल्क देने पर सहमति बनी। 10– गोपन में भी अपर मुख्य सचिव का पद मंजूर। 11– 153 पिस्टल होमगार्ड विभाग खरीदेगा। 12– न्यायिक पदों पर 4 प्रतिशत दिव्यांग आरक्षण मिलेगा। योगी आदित्यनाथ सरकार के शपथ ग्रहण के बाद 26 मार्च को मंत्रिमंडल की पहली बैठक आयोजित की गई थी। उसमें गरीबों को मुफ्त राशन वितरण की योजना को तीन महीने आगे बढ़ाने का निर्णय किया गया था। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद से योगी कैबिनेट की पहली बैठक का इंतजार किया जा रहा था।

बदमाशों की ऑनलाइन लिस्ट तैयार: अपने घर में शरीफ जिला बदलते ही हो जा रहे कुख्यात

गोरखपुर ब्यूरो : खुद के जिले में शरीफ की छवि बनाकर गैर जनपद में अपराध करने वालों की कुंडली पुलिस ने तैयार की है। दस साल तक पुरानी घटनाओं में शामिल बदमाशों का डोजियर तैयार करने पर पता चला है कि कई ऐसे बदमाश हैं, जो दूसरे प्रांत से आकर यहां के कुख्यात बन गए और अपने जिले में अब भी शरीफ ही बने हुए हैं। इसी तरह गोरखपुर से बाहर जाकर अपराध करने वाले भी बदमाश हैं। अब पुलिस इन बदमाशों की सूचनाओं को संबंधित जिलों में भेजकर उनका सत्यापन करा रही है तो वहीं, अपने जिले से बाहर जाकर अपराध करने वालों का भी सत्यापन किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, सामने आया है कि गांव से शहर या फिर दूसरे जिले में कमाने जाने वाले लोग शॉर्टकट तरीके से दौलतमंद बनने के लालच में अपराध की दुनिया में पांव जमा रहे हैं। यही वजह है कि हत्या, लूट और डकैती जैसी वारदात में बाहर से आकर अपराध करने वाले हो या फिर गोरखपुर से बाहर जाकर अपराध करने वाले हों, सबकी निगरानी पुलिस कर रही है। आमतौर पर गृह जिले से बाहर अपराध करने की वजह से इनके जिले में मॉनीटरिंग नहीं हो पाती थी। गोरखपुर जोन की पुलिस ने अपराधियों की कैटेगरी के साथ ही वह कहां के रहने वाले हैं, इस पर भी काम शुरू किया। जांच में सामने आया कि पहले स्थानीय स्तर पर जितने बदमाश होते थे, अब समय के साथ बाहरी बदमाशों ने उनकी जगह लेनी शुरू कर दी है। स्थानीय बदमाशों को डर रहता है कि वे पुलिस के रिकॉर्ड में हैं और आसानी से पकड़ लिए जाएंगे, जबकि बाहरी बदमाश कमाने के बहाने शहर में किराये पर रहता है और वारदात कर गायब हो जाता है। पुलिस के सत्यापन में ऐसे बदमाशों की संख्या हजारों में सामने आई है। वे अपने इलाके में शरीफ हैं और दूसरे जिले में अपराध करते हैं। पड़ताल में ऐसे बदमाशों की संख्या गोरखपुर जोन में 2,345 के करीब आई है। इसमें सबसे ज्यादा संख्या गोरखपुर में आकर वारदात करने वाले बदमाशों की है। गोरखपुर जिले के इतने बदमाशों ने दूसरे जिलों में किए अपराध 612 बदमाश हत्या में जेल गए, 86 महिलाओं से लूट या दुष्कर्म में जेल गए,361 डकैती में जेल गए, 1,286 लूट की घटना के आरोपी बने गोरखपुर में बाहर से आकर वारदात करने वाले बदमाश 134 ने यहां आकर हत्या की, 17 ने महिलाओं से लूट या दुष्कर्म के बाद हत्या की, 167 ने डकैती डाली, 361 ने लूट की सबसे ज्यादा बाहरी गोरखपुर में आते हैं वारदात करने गोरखपुर शहर में सबसे ज्यादा बदमाश दूसरे जिलों से आकर वारदात को अंजाम देते हैं। दस साल के आंकड़ों के मुताबिक, 679 बदमाश ऐसे हैं, जो गोरखपुर में कमाने आए और अपराध करने लगे। देवरिया में 365 के करीब बदमाश दूसरे जिले से आकर वारदात करते हैं जबकि कुशीनगर में यह संख्या 144 की है तो महराजगंज में 78। बस्ती परिक्षेत्र की बात करें तो यहां 229, संतकबीरनगर में 214 और सिद्धार्थनगर में 55 ऐसे बदमाश हैं। गोरखपुर जोन के 11 जिलों की बात करें तो ऐसे कुल बदमाशों की संख्या 2,345 है। चोरी, लूट की घटना में बाहरियों पर ज्यादा शक शहर में चोरी–लूट की घटनाओं में सबसे ज्यादा बाहरियों पर ही पुलिस को शक हो रहा है। स्थानीय बदमाशों से पूछताछ और जांच पड़ताल के बाद पुलिस को लग रहा है कि कोई बाहरी इन वारदात को अंजाम दे रहा है। खास बात यह है कि जिस इलाके में यह किराये पर रहते हैं, उस इलाके में वारदात नहीं करते बल्कि दूसरे थाना क्षेत्र में वारदात करते हैं, जिससे उनके ऊपर किसी को शक न हो। केस– 1 नौ अगस्त 2021 को राजघाट इलाके में व्यापारी सुरेंद्र सिंह से 45 लाख रुपये कीमत के गहने लूटे गए थे। पुलिस ने जांच कर पर्दाफाश किया तो दो आरोपी पंजाब के और एक संतकबीरनगर का निकला। पता चला कि दोनों व्यापारी सुरेंद्र सिंह की तरह ही यहां पर सोने–चांदी की खरीदारी करने आते थे और किराये के धर्मशाला में रुकते थे। यहीं से रेकी कर वारदात को अंजाम दिया था। दोनों पर पहले से कोई केस नहीं था और जब पुलिस पंजाब पहुंची तो घरवाले भी हैरान थे। केस– 2 पुलिस ने 11 अप्रैल 2022 को चोरी की सात बाइक के साथ उरुवा बाजार के परमजीत यादव को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। घरवालों को यही पता था कि वह पड़ोसी जिला कुशीनगर में रहकर प्राइवेट काम करता है। मगर, वह शहर में किराये के कमरे में रहकर चोरी की वारदात को अंजाम देता था। पकड़े जाने के बाद उसके घरवालों को इसकी जानकारी हुई। केस– 3 मार्च 2021 में भाजपा नेता बृजेश सिंह की हत्या में शामिल दोनों शूटर पंजाब के रहने वाले थे। वे गोरखपुर में आए और किराये का कमरा लेकर रहे। यहां उन्होंने यही बता रखा था कि काम धंधे की तलाश में आए हैं। हत्या के बाद दोनों फरार हो गए। स्थानीय लोगों की भूमिका सामने आने के बाद पुलिस को शूटरों के बारे में जानकारी हुई। पुलिस ने राप्तीनगर इलाके में किराये के कमरे से हत्या में इस्तेमाल तमंचा भी बरामद किया था। एसएसपी डॉ. विपिन ताड़ा ने कहा कि पुलिस लगातार बदमाशों की निगरानी कर रही है। अपने जिले में आकर वारदात करने वाले हों या फिर अपने जिले से बाहर जाकर अपराध करने वाले, सबका सत्यापन किया जा रहा है। ताकि पुलिस उनकी नियमित निगरानी कर संगठित अपराध को रोक सके।

बंदूक से खेलते वक्त चली गोली बच्चे की मौत : पड़ोसी से विवाद में आढ़ती ने निकाला था असलहा

लखनऊ ब्यूरो : ठाकुरगंज के राइननगर में सोमवार को खेल–खेल में पिता की लाइसेंसी बंदूक से गोली चलने से आठ साल के अली जैद की जान चली गई। उसके पिता ने पड़ोसी से विवाद में बंदूक निकाली थी। पुलिस के आने की सूचना मिलते ही उसने बंदूक पत्नी को छिपाने के लिए दे दी। पति की गिरफ्तारी के बाद वह बंदूक बिस्तर पर ही रखकर भूल गई। दोपहर में बंदूक से खेलते वक्त जैद से गोली चल गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। डीसीपी सोमेन वर्मा के मुताबिक दुबग्गा सब्जी मंडी में आढ़ती फरीद की इलाके में कई दुकानें हैं। उसके परिवार में पत्नी असलिया, बेटी फहिया और बेटा मो. अली जैद है। सोमवार दोपहर फरीद का पड़ोसी शमीम से किराये को लेकर विवाद हो गया। करीब 12 बजे शमीम कुछ लोगों को लेकर उसके घर पहुंचा तो फरीद ने लाइसेंसी बंदूक निकाल ली। इस दौरान पुलिस के आने की सूचना मिलते ही उसने बंदूक असलिया को छिपाने के लिए दे दी। पुलिस फरीद को पकड़कर थाने ले गई और शमीम की तहरीर पर उसके खिलाफ मारपीट व धमकी की धाराओं में केस दर्ज किया। फरीद की गिरफ्तारी के बाद असलिया बंदूक बिस्तर पर ही छोड़कर भूल गई। वहीं, दोपहर चार बजे जैद व फहिया स्कूल से लौटकर घर में खेलने लगे। इस दौरान उसके हाथ पिता की

लाइसेंसी बंदूक लग गई, जिससे चली गोली उसके सीने के आर–पार हो गई। आवाज सुनकर दूसरे कमरे में काम कर रही असलिया दौड़ते हुए पहुंची तो देखा खून से लथपथ जैद फर्श पर पड़ा था। उसकी चीख सुनकर पड़ोसी पहुंचे और जैद को ट्रॉमा सेंटर ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर एडीसीपी पश्चिम चिरंजीव नाथ सिन्हा, एसीपी चौक आईपी सिंह और ठाकुरगंज पुलिस मौके पर पहुंचे। एडीसीपी पश्चिम के मुताबिक जैद की मौत के मामले में फरीद के खिलाफ लापरवाही से मौत और लापरवाही से लाइसेंसी असलहा रखने का केस दर्ज कर लिया गया है। वहीं, डीसीपी पश्चिमी के मुताबिक अभी तक की जांच में सामने आया है कि खेलते समय बच्चे के हाथ में बंदूक आने से हादसा हुआ है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

अग्निशमन सेवा सप्ताह के तहत अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने आग से बचने के लिए लोगों को किया जागरूक

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) वर्तमान समय में अग्निशमन विभाग द्वारा जिले में अग्निशमन सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है इस अभियान में अग्निशमन विभाग द्वारा लोगों को आग से बचने के लिए जागरूक किया जा रहा है इसी कड़ी मे अग्निशमन सेवा सप्ताह अभियान के तहत 16 अप्रैल 2022 को शांति फ्लोर मिल हरीपुर जलालाबाद में मुख्य अग्निशमन अधिकारी राज किशोर राय द्वारा स्टाफ के साथ मिल प्रबंधन व वहाँ पर कार्यरत स्टाफ को आग से बचाव के विषय में बताया गया तथा प्राथमिक अग्निशमन उपकरण व मिल में स्थापित अग्निशमन प्रणालियों को चलवा कर आग बुझाने का प्रदर्शन कराया गया तथा समस्त स्टाफ को आग से बचाव हेतु सदैव सतर्क रहने के लिए निर्देशित किया गया।वही बीच बीच में आग लगने की सूचना पर त्वरित अग्निशमन के कर्मियो ने घटना स्थल पर पहुँचकर आग पर काबू पाकर सराहनीय कार्य किया।सूत्र के मुताबिक सूचना प्राप्त होने का समय 00.55 दिलासीगंज थाना गोसाईगंज के अंतर्गत दुकान में आग लगी थी जिसे फायर यूनिट महाराजगंज ने मौके पर पहुंचकर आग को पूर्ण रूप से बुझाया।वही सूचना प्राप्त होने का समय 10:47 ग्राम सोनबरसा थाना बीकापुर अंतर्गत गेहूं के खेत में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी फायर सर्विस यूनिट बीकापुर ने मौके पर पहुंचकर आग को पूर्ण रूप से बुझाया।सूचना प्राप्त होने का समय 12:46 अमसीन बाजार थाना गोसाईगंज के अंतर्गत गेहूं के खेत में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी फायर सर्विस यूनिट महाराजगंज ने मौके पर पहुंचकर आग को पूर्ण रूप से बुझाया।सूचना प्राप्त होने का समय 14:17 ग्राम गणेशपुर थाना मवई अंतर्गत गेहूं के खेत में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी फायर सर्विस यूनिट रुदौली भेलसर ने मौके पर जाकर आग को पूर्ण रूप से बुझाया।सूचना प्राप्त होने का समय 14:30 ग्राम आलापुर थाना महाराजगंज अंतर्गत गेहूं के खेत में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी फायर सर्विस यूनिट महाराजगंज ने मौके पर जाकर आग को पूर्ण रूप से बुझाया।सूचना प्राप्त होने का समय 14:50 ग्राम पलिया मऊ शिवाला थाना कैंट अंतर्गत श्री रामधरन पुत्र श्री नन्हू, नक्छेद पुत्र श्रीबुद्धिराम, श्रीरोशनलाल पुत्र श्री आशाराम, श्रीमती राम औतारी पत्नी श्री स्व० प्रदीप के छप्पर के बने मकानों में आग लगी थी जिसे फायर सर्विस की दो गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आप को पूर्ण रूप से बुझाया व आवश्यक दिशा निर्देश देकर वापस फायर स्टेशन पर उपस्थित हुए।रेस्क्यू की सूचना प्राप्त होने का समय 8:15 ग्राम बहादर थाना कुमारगंज के अंतर्गत कुएं में एक बछड़ा गिरा था जिससे फायर सर्विस यूनिट मिल्कीपुर ने मौके पर पहुंचकर सकुशल जीवित बाहर निकाला।वही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय एवं मुख्य अग्निशमन

अधिकारी अयोध्या राज किशोर राय के निर्देशन में प्रभारी अग्निशमन अधिकारी मिल्कीपुर नितेश शुक्ला ,फायरमैन संदीप भट्ट , विकास कुमार, धीरज यादव, अंकुल पाल की टीम तथा स्कूल प्रबंधक श्री रमाकांत पाठक द्वारा सिटी इंटरनेशनल स्कूल हैरिंग्टनगंज में अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत दिनांक 16 अप्रैल 2022 को बच्चों एवं विद्यालय परिवार के माध्यम से अग्नि दुर्घटना जागरूकता अभियान चलाया।इस मौके उन्होने वहाँ पर उपस्थित लोगों को आग का परिचय एवं उसके प्रकार,आग लगने का कारण,अग्नि सुरक्षा तथा निवारण के साथ साथ एलपीजी सिलेंडर पर मॉक ड्रिल कर आग पर काबू पाने के उपाय बताया। वही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद अयोध्या के निर्देशन में व मुख्य अग्निशमन अधिकारी जनपद अयोध्या महोदय के उपस्थिति व निर्देशन में 17.04.2022 को अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह के दृष्टिगत ग्रामीण क्षेत्रों में अग्नि से सुरक्षा के उपायों का व्यापक प्रचार प्रसार फायर स्टेशन मिल्कीपुर, फायर स्टेशन बीकापुर, फायर स्टेशन रुदौली, फायर यूनिट महाराजगंज तथा फायर स्टेशन पुलिस लाइन अयोध्या के द्वारा किया गया।वही दिनांक 18 अप्रैल 2022 को अग्निशमन सेवा सप्ताह के अंतर्गत एवं सुरक्षा व्यवस्था हेतु जन जागरूकता अभियान के तहत मुख्य अग्निशमन अधिकारी राज किशोर राय के निर्देशन में अग्निशमन द्वितीय अधिकारी प्रदीप कुमार पांडे के नेतृत्व में ईगल गैस सर्विस कैंट क्षेत्र अयोध्या व आनंद मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल नियावां अयोध्या के उपस्थित स्टाफ को आग से बचाव हेतु प्रशिक्षण व मांक ड्रिल कराई गई इस कार्य में राम प्रसाद पांडे हृदयनाथ विश्वकर्मा आलोक तिवारी का विशेष योगदान रहा।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं मुख्य अग्निशमन अधिकारी अयोध्या के निर्देशन में प्रभारी अग्निशमन अधिकारी मिल्कीपुर नितेश शुक्ला,चालक दिनेश मिश्रा,फायरमैन संदीप भट्ट, अखिलेश सिंह,धीरज यादव,अंकुल पाल की टीम तथा स्कूल प्रबंधक राज कमल शर्मा एस आर एम पब्लिक स्कूल,सेवरा मोड़, अयोध्या में अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत दिनांक 18 अप्रैल 2022 को बच्चों एवं विद्यालय परिवार के माध्यम से अग्नि दुर्घटना जागरूकता अभियान चलाकर वहाँ पर उपस्थित लोगों को आग का परिचय एवं उसके प्रकार,आग लगने का कारण,अग्नि सुरक्षा तथा निवारण,एलपीजी सिलेंडर पर मॉक ड्रिल व एक्सटिंग्युसर का प्रयोग करके बताया।

मिल्कीपुर क्षेत्र में चिकित्सालय पर अव्यवस्थाओं के चलते मरीज व उनके परिजनो को हो रही परेशानी

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं डिप्टी सीएम भले ही स्वास्थ्य विभाग को लेकर औचक निरीक्षण करते हुए बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए संकल्पित नजर आ रहे हैं।किंतु अयोध्या जिले के मिल्कीपुर क्षेत्र में स्वास्थ्य व्यवस्था सुधरने का नाम नहीं ले रहा है।सूत्र के मुताबिक अयोध्या जिले की सीमा पिठला में स्थित 100 सैय्या संयुक्त चिकित्सालय में तैनात चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों में पूरी तरह से रामराज्य छा गया है अस्पताल कर्मियों की लापरवाही के चलते निर्धारित समय 8:00 बजे के बजाय ओपीडी 9 बजकर 45 पर शुरू होती मिली।सोमवार को जब हमारे चौनल की टीम द्वारा अस्पताल का जायजा लिए जाने के दौरान संयुक्त चिकित्सालय पर व्याप्त अव्यवस्थाओं की कलई खुली।वहाँ लगभग एक दर्जन चिकित्सकों की तैनाती भी है किंतु मात्र एक ही चिकित्सक डॉ अरविंद मौर्य, दंत सहायक अमित कुमार सक्सेना, एक्सरे रूम में टेक्नीशियन अवधेश कुमार अस्पताल पर मौजूद मिले।जबकि अस्पताल पर क्षेत्र से आए मरीजों की लंबी लाइन लगी हुई थी।वही अस्पताल अधीक्षक डॉ रजत चौरसिया के बारे में पता चला कि जिले पर मीटिंग में गए हैं उनके अस्पताल पर न मौजूद होने का आलम रहा कि अस्पताल कर्मी और चिकित्सक बेलगाम नजर आए और ओपीडी तक नहीं शुरू कर सके थे।अस्पताल पर इलाज कराने पहुंचे मरीजों को भी ओपीडी में डॉक्टरों के इंतजार में घंटों बैठना पड़ा। कुछ मरीज तो निराश होकर अपने घरों को वैरंग लौट गए। अस्पताल पर इलाज कराने आए ताजपुर निवासी शिव कुमार तिवारी एवं धमथुवा गांव निवासी शिव बहादुर चौरसिया, गोकुला निवासी संगम लाल, कटघरा निवासी महिला शांति देवी, तथा पी एन सी कंपनी के कर्मचारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि हम लोग 8:30 बजे से अस्पताल में डॉक्टरों के इंतजार में बैठे हैं कोई पूछने वाला नहीं है।मरीजो व उनके परिजनो के मुताबिक इस अस्पताल पर भारी व्यवस्थाएं हैं लोगों ने सरकार को कोसते हुए कहा कि प्रदेश सरकार अस्पतालों पर स्वास्थ्य मेला लगवा रही है।ऐसा स्वास्थ्य मेला किस काम का जब अस्पताल पर डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मी भी न मिल सकें। सीएमएस रजत चौरसिया का कहना है कि अस्पताल पहुंचकर डॉक्टरों से जानकारी ली जाएगी ये लोग कहां पर थे।

सड़क सुरक्षा सप्ताह में भी हो रहे सड़क हादसे : बेरोक टोक सड़क पर दौड़ रहे डग्गामार वाहन

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) इस समय विभाग चाहे जितना सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाए वहीं सड़क पर चल रहे डग्गामार वाहनों से सड़क हादसे का शिकार भी लोग हो रहे है।सूत्र के मुताबिक कुछ दिन पूर्व सहादतगंज ओवर ब्रिज पर दिल्ली से कौशांबी जा रही डबल डेकर लग्जरी बस पलटने पर दो लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनों घायल हो गए थे।वहीं पर अमेठी जिले में भी एक टूरिस्ट लग्जरी बस के एक्सीडेंट होने से युवकों के मरने की खबर मिली है।संभागीय परिवहन कार्यालय सड़क सुरक्षा सप्ताह बाइक अप्रैल से 24 अप्रैल मनाया जा रहा है।वही शासन की मंशा के अनुसार वाहन चालको स्वामियों को जागरूक करके सड़क पर चलने वाले नियमों का अनुपालन कराने का अभियान पूरे प्रदेश भर में चलाया जा रहा है।इस संबंध में एआरटीओ प्रशासन राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रचार वाहन को झंडी दिखाकर नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने संभागीय परिवहन अधिकारी संजय सिंह ने संयुक्त रूप से झंडी दिखाकर रवाना किया।पूरे सप्ताह भर जागरूकता कार्यक्रम जिले भर में मनाया जा रहा है जहां पर वाहन चालको एवं वाहन स्वामियों को शासन की मंशा के अनुरूप जागरूक कर सुविधाएं देने का विभाग वादा करता है वहीं पर मंडल का जिला एवं रामनगरी होने के बावजूद भी अस्थाई आर आई नहीं है उधारी के आर आई से मात्र 3 दिन ही लाइसेंस गाड़ियों का फिटनेस का काम होता है जिससे सरकार का के राजस्व कर जहां नुकसान हो रहा है वही जनता का भी काम समय से नहीं हो पा रहे हैं कार्यालय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मानकों को शिथिल करके लाइसेंस एवं फिटनेस का काम कराए जाने की चर्चा है संवाददाता ने कार्यालय में जनता को हो रही सुविधाओं के बारे में जब जानना चाहा तो उन्होंने अपनी जिम्मेदारी ना होने का कह कर टाल दिया।

पुरातन छात्र समागम एवं अभिभावक सम्मेलन का मुख्य अतिथि डा. त्रिपाठी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया शुभारंभ

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)जिले के प्राथमिक विद्यालय दराबगंज,बीकापुर,अयोध्या में पुरातन छात्र समागम एवं अभिभावक सम्मेलन का कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि एस आर जी एवं राज्य अध्यापक पुरस्कार प्राप्त शिक्षक डॉ अम्बिकेश त्रिपाठी ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।तदुपरांत विद्यालय के छात्रछात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।विशिष्ट अतिथि के रूप मे प्रियकांत पांडेय,ब्लॉक मंत्री रवींद्र गौतम,आदर्श शिक्षक डॉ गौतम तिवारी एवं द्वारिकाधीश उपाध्याय उपस्थित रहे।विद्यालय के पुरातन छात्र रहे सेवानिवृत्त प्रवक्ता राममूर्ति पांडेय ,सेवानिवृत्त प्रवक्ता राम यज्ञ पांडे,राम कथा संग्रहालय अयोध्या से सेवानिवृत्त मानस तिवारी ,सेवानिवृत्त अध्यापक राम अनुज मौर्य , लल्लन शुक्ला और शिवकांत उपाध्याय आदि पुरातन छात्रों ने 1942 में स्थापित इस विद्यालय में बिताए अपने छात्र जीवन को याद करते हुए अपने अनुभवों को साझा किए।इस मौके पर एस आर जी डॉ अम्बिकेश त्रिपाठी ने नई शिक्षा नीति ,निपुण भारत और प्री प्राइमरी

शिक्षा पर प्रकाश डालते हुए अभिभावकों से बच्चों को नियमित रूप से विदयालय भेजने का आह्वान किया।प्रधानाध्यापक लक्ष्मी प्रसाद तिवारी ने विद्यालय की अवस्थापना सुविधाओं एवम शैक्षिक वातावरण की जानकारी देते हुए अभिभावकों से बच्चों की नियमित उपस्थिति और नामांकन में सहयोग की अपील करते हुए उनकी गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के प्रति आश्वस्त किया।इस कार्यक्रम का संचालन अनिल कुमार तिवारी ने किया तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती पुष्पा, श्रीमती संगीता देवी,श्रीमती कीर्ति वर्मा व श्रीमती विनीता पांडे का सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ।

जन जन तक चिकित्सा सुविधा का लाभ पहुंचाना सरकार का संकल्प– वेद गुप्ता

अयोध्या।(डा. आलोक श्रीवास्तव अयोध्या संवाददाता) जिले के स्वास्थ्य मेले के आयोजन का उद्देश्य जन जन तक चिकित्सा सुविधा का लाभ पहुंचाना है गरीब असहाय व दिव्यांग रोगियों के लिए योग्य चिकित्सकों की अगुवाई में स्वास्थ्य मेला लगाकर उनका निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण व इलाज किया जा रहा है क्योंकि असहाय व दिव्यांग लोगों की सेवा ही सच्ची मानवता है उक्त उद्गार आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में मनाए जा रहे अमृत महोत्सव के तहत सीएचसी पूरा बाजार मे आयोजित स्वास्थ्य मेले के शुभारंभ अवसर पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने व्यक्त किया। विधायक ने कहा कि स्वच्छ भारत व स्वस्थ भारत के संकल्प को पूरा किया जा रहा है स्वास्थ्य सुविधाओं को उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं उन्होंने युवक मंगल दल खेल सामग्री आशा बहुओं को मोबाइल तथा संचारी रोग नियंत्रण के कर्मचारियों को किड्स वितरण किया स्वास्थ्य मेले में सामान्य चिकित्सा मातृ स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य, टीकाकरण, कैंसर नियंत्रण, परिवार नियोजन परामर्श ,मोतियाबिंद की जांच, आंख नाक कान व गला तथा दांत की जांच, पोषण के लिए परामर्श, कुष्ठ नियंत्रण, टीवी नियंत्रण, धूम्रपान एवं तंबाकू के सेवन से बुरे प्रभाव की जांच एवं परामर्श तथा मलेरिया की जांच व उपचार के लिए स्वास्थ्य मेले में स्टाल लगाए गए थे। स्वास्थ्य मेले के माध्यम से आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर जन आरोग्य योजना स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं संचारी तथा गैर संचारी बीमा सेंटर जन आरोग्य योजना स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं संचारी तथा गैर संचारी बीमारियों के रोकथाम की सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना सहित अन्य योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक कर उन्हें लाभान्वित किया गया। समारोह में सीएमओ डा अजय राजा सीएचसी अधीक्षक डॉ अमित वर्मा बच्चूलाल इंटर कॉलेज के प्राचार्य देवेंद्र सिंह सीडीपीओ रवि श्रीवास्तव खंड विकास अधिकारी कृष्ण कांत शुक्ला अनुसूचित मोर्चा के जिला महामंत्री हरिभजन गौंड महानगर उपाध्यक्ष रामप्रीत वर्मा डॉ अरुण कुमार त्रिपाठी अरविंद सिंह ओम प्रकाश यादव रामगोपाल माझी ने भी अपने विचार व्यक्त किए सीएचसी पूरा के अधीक्षक डॉ अमित वर्मा ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अतिथियों चिकित्सकों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

सरकार व शिक्षा विभाग तत्काल बिजली का कनेक्शन करे और सभी विद्यालय में पंखा लगवाये – सत्यभान सिंह

अयोध्या।(डा. अजय तिवारी जिला संवाददाता) भारत की जनवादी नौजवान सभा के नेता सत्यभान सिंह जनवादी ने सरकार व शिक्षा विभाग के बड़े अधिकारियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि आज अयोध्या में करीब 2 सौ से अधिक सरकारी स्कूलों में न बिजली है और न पंखा, बड़े अधिकारी एअर कंडीशन में आराम कर रहे है और देश का भविष्य बच्चे और अध्यापक इस भीषण गर्मी में तप रहे है।सरकार व शिक्षा विभाग तत्काल बिजली का कनेक्शन करे और सभी विद्यालय में पंखा लगवाए। आज ऐसे ही गांव में स्कूल चलो अभियान के तहत इटौरा गांव के पूर्व माध्यमिक विद्यालय सूखापुर में देखा गया कि बिजली का कनेक्शन ही नही और न पंखा ,बच्चे बेहाल ,अध्यापक बेहाल,ऐसी व्यवस्था में कैसे बच्चे पढ़ेंगे और अध्यापक पढ़ाएंगे।पुताई के नाम पर विभाग की आंखों में भी धूल झोंकी जा रही है अन्दर की दीवारों से झड़ रहीं हैं पपड़ियां और बाहर बाहर चमका दिया गया है।इसी दौरान जब बी एस ए संतोष देव पांडेय से बात किया गया तो उन्होंने पहले कहा कि सरकार के पास ऐसा कोई बजट नही है बिजली और पंखा के लिए,फिर दोबारा बोले प्रधान लगवाएंगे कनेक्शन, और पूंछने पर बताए कि जिले में 2 सौ से ज्यादा सरकारी विद्यालय में बिजली कनेक्शन ही नही है।जनवादी नौजवान सभा 21 अप्रेल को सुबह 11 बजे जिलाधिकारी से मिलकर सभी सरकारी विद्यालयों में बिजली व पंखा लगवाने की मांग करेगा।और प्रशासन को समय दिया जाएगा।अगर फिर भी तय समय पर बिजली कनेक्शन काम शुरू नही किया गया तो संगठन आंदोलन करेगा।

मकर संक्रांति 2024 को रामलला होगे गर्भगृह में विराजित : वास्तुशास्त्रियों की टीम ने दिया सुझाव

अयोध्या।(अमित कुमार मणि त्रिपाठी संवाददाता) मंदिर निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक भी सोमवार को शुरू हो गई है। समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र मंदिर निर्माण की समीक्षा करने पहुंचे हैं। उधर भक्तों के लिए भव्य गर्भगृह में रामलला के दर्शन का इंतजार थोड़ा बढ़ गया है। अब मकर संक्रांति 2024 तक भक्तों को भव्य गर्भगृह में रामलला का दर्शन प्राप्त होगा इससे पहले श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की दिसंबर 2023 के अंत तक रामलला को गर्भगृह में विराजित करने की तैयारी थी, लेकिन दिसंबर के अंत में खरमास के चलते ट्रस्ट ने राममंदिर के उद्घाटन की समय सीमा बढ़ा दी है।राममंदिर के भूमिपूजन से लेकर नींव खोदाई, नींव निर्माण, रॉफ्ट निर्माण व चबूतरा निर्माण शुरू करने से पहले ट्रस्ट द्वारा विधिविधान पूर्वक पूजन–अर्चन कराया गया उसके बाद काम शुरू हुआ। राममंदिर का भूमिपूजन भी पीएम नरेंद्र मोदी के हाथों शुभ अभिजीत मुहूर्त में हुआ था।मंदिर निर्माण में वास्तुशास्त्र का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है। देश के चुनिंदा वास्तु शास्त्रियों की एक टीम भी बनाई गई है। जो समय–समय पर ट्रस्ट को वास्तुशास्त्र से संबंधित सुझाव देते रहते हैं। शुभ मुहूर्त व तिथि के अभाव में ही अब श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने भव्य गर्भगृह में रामलला को विराजित करने की समय–सीमा बढ़ा दी है।इस संबंध में ट्रस्ट के महासचिव का कहना है कि मैंने पहले कहा था कि राममंदिर का उद्घाटन दिसंबर 2023 के अंत में हो जाएगा, लेकिन इसकी तारीख पर अंतिम मुहर नहीं लग पा रही है। दिसंबर के अंत में चूंकि सूर्य दक्षिणायन रहेंगे। खरमास लगा रहेगा, इसलिए खरमास में राममंदिर का उद्घाटन उचित नहीं होगा। इसलिए हमें सूर्य के उत्तरायण होने का इंतजार करना पड़ेगा।सूर्य मकर संक्रांति से उत्तरायण होंगे। ऐसे में मकर संक्रांति 2024 को रामलला को गर्भगृह में विराजित कर भक्तों को दर्शन सुलभ कराने की अब तैयारी हो रही है।

माटीकला के कारीगरों को निःशुल्क विद्युत चालित चाक प्राप्त करने हेतु माँगे गये आवेदन

अयोध्या।(डा. अजय तिवारी जिला संवाददाता) उ0प्र0 माटीकला बोर्ड द्वारा मिट्टी के बर्तन, खिलौने, मूर्तियां इत्यादि बनाकर जीविकोपार्जन करने वाले माटीकला के परम्परागत कारीगरों को वित्तीय वर्ष–2022–23 में जनपद प्रयागराज के लिये 65 निःशुल्क विद्युत चालित चाक उपलब्ध कराये जाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। कुम्हारी कला के अंतर्गत मिट्टी कला से सम्बन्धित कार्य करने वाले कारीगरों एवं शिल्पियों जिनकी उम्र–18 से 55 वर्ष की है वह परम्परागत इच्छुक कारीगर निःशुल्क विद्युत चालित चाक प्राप्त करने हेतु, अपना आवेदन पत्र निम्न संलग्नकों (आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, ग्राम प्रधान द्वारा मिट्टी का कार्य करने से सम्बन्धित प्रमाण पत्र, अनुभव प्रमाण पत्र व शैक्षिक प्रमाण पत्र) के साथ कार्यालय–जिला ग्रामोद्योग अधिकारी, 59, नया कटरा, प्रयागराज से आवेदन पत्र प्राप्त कर किसी भी कार्य दिवस में दिनांक–05 मई, 2022 तक जमा कर सकते हैं।

किसान यूनियन ने सौंपा सात सूत्री मांग पत्र

अयोध्या।(डा. अजय तिवारी जिला संवाददाता) भारतीय किसान यूनियन की आयोजित मासिक बैठक के बाद उपाध्यक्ष रवि शंकर पांडे की अगुवाई में 7 सूत्री मांग पत्र उपजिलाधिकारी रुदौली को सौंपा गया। मांगपत्र के माध्यम से कहा गया है कि राशन कार्ड के संबंध में जो व्यक्तियों की मृत्यु हो चुकी है या जो व्यक्ति अपात्र हैं उनका नाम काटकर पुनः नए राशन कार्ड पात्र व्यक्तियों के नाम जारी किया जाए।रुदौली क्षेत्र में घूम रहे छुट्टा पशुओं के द्वारा जो फसलों का नुकसान व खतरा बना हुआ है सरकार की मंशा के अनुसार जानवरों का उचित प्रबंध किया जाए।कोटेदार के द्वारा राशन कार्ड पर दिए जा रहे गल्ले का सही वजन नहीं मिल पा रहा है जिसकी जांच कराई जाए।प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवासीय सूची में अपात्र व्यक्तियों का नाम निकाल कर गरीब बेघर पात्र व्यक्तियों का नाम सूची में शामिल किया जाए।तहसील रुदौली के समस्त ग्राम के तालाब की भूमि पर भूमाफियाओं का कब्जा हटाया जाए व तालाब का सौंदर्यीकरण कराया जाए।ग्राम जरायल खुर्द में नाली निर्माण चल रहा है इसमें नाली की ऊंचाई बढ़ाई गई है नाली के बगल लगे ईंट के खड़ंजे की मरम्मत करते हुए रोड बनाया जाए।ग्राम जरायल खुर्द गाँव के किनारे पुलिया काली रोड से प्राथमिक विद्यालय जरायल खुर्द तथा भवानी भीख के घर के सामने मोड़ से आरसीसी रोड बनाया जाये।इस मौके पर एसडीएम स्वप्निल यादव ने कहा कि मांग पत्र की जांच करा कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।इस मौके पर शंकर पाल पांडे, रामचंद्र विश्वकर्मा, राजकुमार यादव, वेद प्रकाश, रामकुमार, राजकुमारी सहित तमाम किसान यूनियन नेता मौजूद रहे।

24 अप्रैल से 1 मई तक चलेगा ''किसान भागीदारी प्राथमिकता हमारी'' अभियान

अयोध्या।(डा. आलोक श्रीवास्तव अयोध्या संवाददाता) प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के सभी लाभार्थियों को केसीसी (किसान क्रेडिट कार्ड) से संतृप्त करने के लिए "किसान भागीदारी प्राथमिकता हमारी" अभियान 24 अप्रैल से 1 मई 2022 तक चलाया जायेगा। इस जानकारी राजेश कुमार (जिला अग्रणी प्रबंधक, अयोध्या) और कमलेश यादव (जिला विकास प्रबन्धक नाबार्ड) ने दी। उन्होंने बताया कि 24 अप्रैल को देश के सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम सभा का आयोजन किया जायेगा। जिसमें सभी ऐसे किसान जिन्होंने अभी तक केसीसी (किसान क्रेडिट कार्ड) नही बनवाया है, वो अपने जमीन के दस्तावेज केवाईसी के साथ किसान क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन कर सकते है।बता दे कि इस अभियान के द्वारा भारत सरकार के कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग देश में सभी किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों के किसान क्रेडिट कार्ड से संतृप्त करने का लक्ष्य रखा गया हैं। इसके साथ ही पशुपालक एवं मत्स्य पालक किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड से संतृप्त किया जायेगा।

चार के विरुद्ध धोखाधड़ी और गबन का केस दर्ज

अयोध्या।(सरवन कुमार नगर संवाददाता)जिले के इनायत नगर थाना क्षेत्र के ग्राम पारातजपुर गांव निवासी तीन सगे भाइयों एवं उनके एक मित्र के विरुद्ध धोखाधड़ी एवं गबन का केस दर्ज हो हुआ है। हालांकि पुलिस अभी मामले में किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। बताया गया कि इनायत नगर थाने के हैरिंग्टनगंज चौकी क्षेत्र अंतर्गत मलेथू बुजुर्ग गांव निवासी सुनील कुमार ने इनायत नगर पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि चौकी क्षेत्र के ही पारातजपुर गांव निवासी शिव कुमार चौरसिया, शोभित राम चौरसिया एवं कृष्ण कुमार चौरसिया पुत्र भृगुनाथ चौरसिया ने दादा इंटरप्राइजेज के नाम से एक फर्म बना रखी है। शिव कुमार की मां शिवकुमारी पारातजपुर गांव की पूर्व प्रधान भी रह चुकी हैं। सुनील का आरोप है कि उपरोक्त लोगों ने बताया कि पांच डंपर निकालना है, अगर तुम चाहो तो तुम भी हिस्सेदार बन सकते हो। उनके झांसे में आकर सुनील कुमार ने उन्हें 5 लाख रुपये चेक के द्वारा एवं दो लाख 59 हजार रुपए गूगल पर के माध्यम से दे दिया था। जब उन्होंने अपना डंपर मांगा तो आनाकानी करने लगे और पंजाब नेशनल बैंक का एक चेक थमा दिया।वही खाते में पर्याप्त धन उपलब्ध ना होने के चलते चेक बाउंस हो गया। मामला बढ़ता गया। इसी बीच शिव कुमार के मित्र सूरज यादव निवासी ग्राम डढ़वा से भी इसी पैसे को लेकर विवाद हो गया और उपरोक्त लोगों ने सुनील कुमार से अभद्रता करते हुए उसे जान से मारने की धमकी तक दे डाली। शिकायतकर्ता द्वारा तहरीन के साथ पर्याप्त साक्ष्य दिए जाने के चलते इनायत नगर पुलिस ने आरोपियों शिव कुमार, शोभित कुमार, कृष्ण कुमार एवं सूरज यादव के विरुद्ध धोखाधड़ी व गमन का केस दर्ज कर लिया है।

अठ्ठाराह सौ सत्तावन के महानायक थे तात्या टोपे

अयोध्या।(सरवन कुमार नगर संवाददाता)रामचंद्र पांडुरंग राव येवालकर अर्थात तात्या टोपे को अट्ठारह सौ सत्तावन की क्रांति के नायक के तौर पर जाना जाता है, अंग्रेजों द्वारा अट्ठारह सौ सत्तावन की क्रांति को कुचला जा चुका था, किंतु तात्या टोपे भारत रत्नमाता को अंग्रेजों की परातन्त्रता से मुक्ति दिलाने के लिए अंग्रेजों के समक्ष डटे हुए थे अंग्रेजों ने कई बार कूटनीति चाल चलते हुए तात्या टोपे की मृत्यु की घोषणा कर दी थी यहां तक की तात्या टोपे द्वारा बेहद चालाकी के साथ अपने स्थान पर किसी दूसरे व्यक्ति को फांसी पर चढ़ा दिया गया था और अंग्रेजो द्वारा अपने दस्तावेजों में तात्या टोपे को फांसी पर चढ़ा देने का जश्न मना रहे थे, इतिहासकार बताते हैं कि तात्या टोपे की मृत्यु 1909 में गुजरात प्रदेश में हुई थी उनके वंशज भी इसे ही सही मानते हैं अट्ठारह सौ सत्तावन के ऐसे महान नायक शूरवीर अदम्य साहसी तात्या टोपे को विनम्र श्रद्धांजलि शत शत नमन जय श्री राम वंदे मातरम हर हर महादेव भारत माता की जय।

सम्पादक मंडल

पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी

प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"

पता–ई 3464,राजाजी पुरम(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0

लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मो0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से में0 प्रभुदयाल प्रकाशन के लिए श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक

श्रीमती हेमा त्रिपाठी

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही

समाचार-पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।